CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-301
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

समय के साथ जीवन में परिवर्तन किजीये,
वरना वक्त बदलने के लिए तिने नाही लगेगा।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 05 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मप्र के जंगल में मंगल...

मादा चीता वीरा ने दिया दो शावकों को जन्म

भोपाल। मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क फिर से नन्हे चीता शावकों की म्याऊ-म्याऊ से गूंज उठा है। मादा चीता वीरा ने मंगलवार को दो शावकों को जन्म दिया। इस खुशी को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मादा चीता वीरा ने दो नन्हे शावकों को जन्म दिया है। मध्यप्रदेश की धरती पर फिर से चीता शावकों का स्वागत है। सीएम मोहन यादव ने अपने एक्स हैंडल से शावकों की तस्वीरें शेयर की हैं। सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने एक्स हैंडल पर लिखा कि मुझे यह जानकारी साझा करते हुए अत्यंत आनंद की अनुभूति हो रही है कि मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। आज मादा चीता वीरा ने दो नन्हे शावकों को जन्म दिया है। मध्यप्रदेश की धरती पर चीता शावकों का स्वागत है और प्रदेशवासियों को इन नन्हे शावकों के आगमन पर हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूं। नन्हें चीतों की किलकारी से फिर गूंजा कूनो.. मध्यप्रदेश की जंगल बुक में 2 चीता शावकों की दस्तक...। मुझे यह जानकारी साझा करते हुए अत्यंत आनंद की अनुभूति हो रही है कि मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सीएम मोहन ने लिखा कि प्रोजेक्ट से संबंधित सभी अधिकारियों, चिकित्सकों और फील्ड स्टॉफ को ढेर सारी बधाई। प्रदेश में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ने से प्रदेश के पर्यटन को नई उड़ान मिल रही है, जिससे रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। हम चीतों के साथ ही समस्त वन जीवन के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्स्थापना के लिए सदैव तत्पर हैं।

चीतों की संख्या बढ़कर हुई 26
कूनो नेशनल पार्क में दो नए शावकों को आने के बाद अब चीतों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो गई है। फिलहाल, कूनो पार्क में चीतों की कुल संख्या 26 हो गई है, जिनमें 12 वयस्क चीता और 14 शावक हैं। चीतों की संख्या बढ़ने से पार्क प्रबंधन ने भी राहत की सांस ली है। बता दें कि सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रोजेक्ट चीता की शुरुआत की गई थी। इसके तहत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से 20 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में लाया गया था। भारत में करीब 70 साल पहले चीतों की प्रजाति विलुप्त हो गई थी। लेकिन इस पुनर्वास परियोजना से उनकी संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कूनो में चीतों का प्राकृतिक वातावरण तैयार किया गया है, ताकि वे सुरक्षित और सहज रूप से जीवन व्यतीत कर सकें। इस परियोजना के तहत अब तक कई चीता शावकों का जन्म हो चुका है, जो इस संरक्षण प्रयास की सफलता को दशार्ता है।

दिल्ली में आज 70 विधानसभा सीटों पर वोटिंग

दिल्ली में वोटिंग के बीच सीलमपुर सीट पर हंगामा, बीजेपी ने लगाया बुर्के में फर्जी वोटिंग करने का आरोप

दिल्ली में आज 70 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। आम आदमी पार्टी जहां अकेले दम पर तीसरी बार सरकार बनाने का प्रयास करेगी, वहीं बीजेपी का 27 साल से सियासी सन्यास को खत्म करने का प्रयास रहेगा। इसके अलावा, कांग्रेस भी शीला दीक्षित सरकार के शासनकाल की याद दिलाकर बाजी पलटने की उम्मीद कर रही है। दिल्ली में 1.55 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, जो कि कुल 699 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

दिल्ली में सीलमपुर और जंगपुरा सीट पर दिल्ली में मतदान के बीच सीलमपुर और जंगपुरा विधानसभा सीट पर झगड़ा होने की खबर सामने आ रही है। जंगपुरा से उम्मीदवार मनीष सिसोदिया ने एक बिल्डिंग में BJP कार्यकर्ताओं पर पैसे बांटने का आरोप लगाया है। जिसके बाद सिसोदिया की दिल्ली पुलिस से भी बहस हो गई है।

सीलमपुर में बीजेपी ने लगाया फर्जी वोटिंग करने का आरोप बीजेपी ने सीलमपुर विधानसभा सीट पर फर्जी वोटिंग होने का दावा किया है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कुछ महिलाओं ने बुर्के पहनकर फर्जी वोटिंग की है।

प्रियंका गांधी ने डाला वोट कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी लोधी एस्टेट के अटल आदर्श विद्यालय स्कूल में अपना वोट डाला।

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने डाला वोट बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने वोट डाला। उन्होंने का कि आप ने दिल्ली को बीमार बना दिया है। उन्होंने दिल्ली को लूट

लिया। अब हम काम करेंगे। अब दिल्ली की जनता हमें मौका देने जा रही है। हम पैसा नहीं बांट रहे हैं और ना हम शराब नहीं बांट रहे हैं। दिल्ली के लोगों को अपने घरों से बाहर आना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा वोटिंग होनी चाहिए।

दिल्ली की इन सीटों पर हुई इतनी 11 बजे तक फीसदी वोटिंग बल्लीमारान में 17.58, बुराड़ी में 20.14, चांदनी चौक में 13.27, करोल बाग में 11.00, मटिया महल में 16.40, सदर बाजार में 16.30, तिमारपुर में 15.24, गांधी नगर में 18.22, कोंडली में 22.08, कृष्णा नगर में 18.20, लक्ष्मी नगर में 18.7, पटपड़गंज में 20.50, त्रिलोकपुरी में 22.43, दिल्ली कैंट 18.90, ग्रेटर कैलाश में 16.26, नई दिल्ली में 17.56, आर.के पुरम में 16.26, राजिंदर नगर में 16.25,आदर्श नगर में 15.95, मालवीय नगर में 16.26, महरौली में 16.80, बदरपुर में 21.91, जंगपुरा में 18.13, कालका जी में 16.28 वोटिंग हुई है।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी डाला वोट दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी वोट डाला। वह लेडी इरविन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वोट डालने पहुंचे। इसके साथ ही उनके माता-पिता, पत्नी और बेटे ने भी इसी स्कूल में वोट डाला

साउथ दिल्ली में पकड़े गए दो फर्जी मतदाता दिल्ली में वोटिंग के बीट साउथ दिल्ली में दो फर्जी वोटर्स पकड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों किसी और की पर्ची पर वोट डालने आए थे।

दिल्ली में 11 बजे तक हुआ 19.95 % मतदान राजधानी दिल्ली में सुबह 11 बजे तक 19.95त्न मतदान हुआ है। जबकि, 9 बजे तक केवल 8.03त्न वोटिंग ही हुई थी। पहले चार घटों में पहले 4 घंटे में दिल्ली की मुस्तफाबाद, संगम विहार और सीलमपुर विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के पिता ने डाला वोट दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के पिता गोबिंद राम केजरीवाल भी वोट डाने पहुंचे। थोड़ी देर में अरविंद केजरीवाल भी अपने परिवार के साथ वोट डालने पहुंचेंगे।

मुस्तफाबाद विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग, कौन-कौन हैं यहां उम्मीदवार दिल्ली की मुस्तफाबाद पर 9 बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। यहां अभी तक 12.17% मतदान हुआ है। इस सीट पर कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। यह सीट इसलिए चर्चा में हैं क्योंकि बीजेपी ने अपने करावल नगर से पांच बार के विधायक मोहन सिंह बिष्ट को इस विधानसभा क्षेत्र में उतारने का रिस्क लिया है। इसके अलावा इसमें ओवेसी की AIMIM ने ताहिर हुसैन को मैदान में उतारा है, वह 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपी है और अभी जेल में बंद है। हालांकि, उन्हें पैरोल कस्टडी में चुनाव प्रचार करने का मौका दिया गया था। वहीं,क्नने यहां से आदिल अहमद खान और कांग्रेस ने पूर्व विधायक मेहदी के बेटे हसन मेहदी को टिकट दिया है। इस सीट पर बीजेपी ने हिंदू कैंडिडेट उतारा है। जबकि, अन्य पार्टियों ने मुस्लिम प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है।

मनीष सिसोदिया ने डाला वोट आम आदमी पार्टी के जंगपुरा सीट से उम्मीदवार और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने वोट डाला। उन्होंने दिल्ली की जनता से वोट डालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिक्षा की क्रांति जीतेगी।

बाबरपुर विधानसभा सीट से आप प्रत्याशी गोपाल राय ने डाला वोट आम आदमी पार्टी के बाबरपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार गोपाल राय ने मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट डाला। उन्होंने कहा कि मैंने आज काम की राजनीति को वोट किया है और मेरी आप सभी लोगों से अपील है कि काम की राजनीति को खुद भी वोट करें और अपने दोस्तों, परिवार के लोगों और पड़ोसियों को भी मतदान जरूर कराएं।

पीएम मोदी ने भविष्य की जीत पर ठोक दिया बड़ा दावा

यह तो हमारा अभी तीसरा ही टर्म है...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा कि उनके नेतृत्व में देश विकसित होने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। पीएम ने कहा कि किसी भी देश के लिए 20 से 25 साल का कालखंड विकसित होने के लिए काफी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अभी उनका यह तीसरा ही टर्म है, जरूरत पड़ी तो देश के विकास के लिए आगे भी वो सेवा करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए देश आज बड़े आत्मविश्वास के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह कोई सरकारी सपना नहीं है, बल्कि हरेक नागरिक का सपना है। पीएम ने कहा कि दुनिया के कई देशों ने 20-25 साल में ऐसा करके दिखाया है। भारत के साथ तो डेमोग्राफी है, डेमोक्रेसी है और डिमांड है तो हम क्यों नहीं विकसित हो सकते। 2047 तक हम ऐसा करके रहेंगे। अभी हमें और भी बड़े लक्ष्य प्राप्त करने हैं और हम करके रहेंगे। ये तो हमारा तीसरा ही टर्म है। हम देश की आवश्यकता के अनुसार विकसित भारत बनाने के लिए आने वाले अनेक वर्षों तक जुटे रहने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे सभी दलों, सभी नेताओं, सभी देशवासियों से आग्रह करते हैं कि देश के विकास के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा कि सभी दलों और नेताओं की अपनी-अपनी विचारधारा होगी लेकिन देश से बड़ा कुछ भी नहीं है। जब देश विकसित होगा, तब हमारे बाद की जो पीढ़ियां होंगी वो कहेंगी कि 2025 में एक संसद ऐसी थी जहां बैठा हुआ हर सांसद विकसित भारत के लिए काम कर रहा था। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा का जवाब देते हुए शुरुआत में यह भी कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों को झूठे नारे नहीं, बल्कि सच्चा विकास दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए बहुत सौभाग्य है कि देश की जनता ने मुझे 14वीं बार राष्ट्रपतिजी का आभार व्यक्त करने का अवसर दिया है। मैं जनता जनार्दन का आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होने भविष्य के 25 वर्ष और विकसित भारत के लिए एक नया विश्वास जगाने की बात की है। मोदी का कहना था कि राष्ट्रपति का संबोधन विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देने वाला, नया विश्वास पैदा करने वाला और जन सामान्य को प्रेरित करने वाला है।

मध्यप्रदेश के 7,900 छात्र-छात्राओं को आज मिलेगी ई-स्कूटी

भोपाल। मध्यप्रदेश बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में टॉप करने वाले 7900 छात्र-छात्राओं के बीच ई-स्कूटी का वितरण होना है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य सरकार की तरफ से स्टूडेंट्स को मिलने वाले इस उपहार को लेकर बताया कि बुधवार 5 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ई-स्कूटी प्रदान की जाएगी ।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोमवार को इस बारे में घोषणा करते हुए बताया कि विद्यार्थियों के बीच ई-स्कूटी का वितरण 5 फरवरी को राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। इसके लिए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2023-24 में मध्य प्रदेश बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा के किसी भी संकाय में अपने-अपने स्कूल में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले करीब 7 हजार 900 विद्यार्थियों को निःशुल्क ई-स्कूटी वितरित की जाएगी। इस बारे में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए सीएम यादव ने कहा कि युवा वर्ग के लिए और उनके जीवन और सपनों में रंग भरने के लिए हमारी सरकार लगातार संकल्पित है। इसी कारण से 5 तारीख को हम सभी योग्य विद्यार्थियों को स्कूटी या स्कूटर देने जा रहे हैं, उम्मीद करेंगे कि युवा वर्ग अपनी इस प्रावीण्यता का लाभ ले और आगे भी अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा दे। सीएम ने आगे कहा कि इसी कारण से हम ऐसे सभी उपक्रम कर रहे हैं, जिससे कि हमारे बच्चे ना केवल भविष्य में स्व उद्यमी बनें, बल्कि जो लक्ष्य वो अपने जीवन में तय करें, उसे हासिल भी करें। मेरी अपनी ओर से उन सभी को बधाई व शुभकामनाएं हैं। दरअसल सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में मध्यप्रदेश बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अंधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूल में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को ई-स्कूटी देने का वादा किया था।

एसएसबी परीक्षा में फर्जीवाड़ा, 9 अभ्यर्थियों की जगह सॉल्वरों ने दिया पेपर

ग्वालियर। ग्वालियर के टेकनपुर में स्थित बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर में हुई आरक्षक भर्ती परीक्षा में नौ फर्जी अभ्यर्थियों के बैठने का खुलासा हुआ है। यह फर्जीवाड़ा दस्तावेजों व बायोमैट्रिक जांच के दौरान पकड़ में आया है। एसएससी द्वारा केंद्रीय अर्द्ध-सैनिक बलों में आरक्षक भर्ती के लिए आयोजित कराई गई इस ऑनलाइन परीक्षा में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। साल 2024 में हुई एसएससी की ऑनलाइन लिखित परीक्षा में छत्तीसगढ़ के सॉल्वर को बैठाकर मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के अभ्यर्थियों ने परीक्षा पास की थी। इस मामले का खुलासा उस समय हुआ जब परीक्षा पास कर यह अभ्यर्थी 21 से 25 जनवरी के बीच बीएसएफ की टेकनपुर स्थित अकादमी में ट्रेनिंग के लिए पहुंचे, लेकिन जब इनके दस्तावेज और बायोमैट्रिक जांच हुई तो यह फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। इसके बाद बीएसएफ के अधिकारियों ने बिलौआ थाना पुलिस को सूचना दी, और पुलिस ने फर्जीवाड़े का मामला दर्ज कर सभी को हिरासत में ले लिया। परीक्षा के आवेदन पर नाम और डॉक्यूमेंट अभ्यर्थी के लगाए गए थे, लेकिन फोटो सॉल्वर का लगाया गया। परीक्षा के समय बायोमैट्रिक भी सॉल्वर के ही लिए गए। यही कारण है

देश में हर पांचवां घर शेयर बाजार से जुड़ा, 2.32 करोड़ नए निवेशक बाजार में

नई दिल्ली। पिछले एक दशक में भारतीय कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में छह गुना वृद्धि हुई है। भारत में हर पांच में से एक परिवार अब शेयर बाजारों से जुड़ा हुआ है। एनएसई ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। एनएसई की रिपोर्ट के अनुसार, शेयर बाजार निवेश से जुड़े खातों की संख्या 21 करोड़ को पार कर गई है, जिसमें 18 करोड़ से अधिक डीमैट खाते हैं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार दो करोड़ निवेशक बीते पांच महीने से थोड़े अधिक समय में ही शेयर बाजार से जुड़े। एनएसई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अकेले वर्ष 2024 में 2.32 करोड़ नए निवेशक जुड़े, जो किसी एक वर्ष में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। रिपोर्ट में शेयर बाजार में निवेश कर भारतीय परिवारों की आमदनी पर भी प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में इक्विटी में भारतीय परिवारों की संपत्ति 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक और पिछले तीन वर्षों में 28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई है। अकेले 2024 में, घरेलू निवेशकों ने 13.2 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की। एनएसई के अनुसार संपत्ति का यह अनुमान सूचीबद्ध कंपनियों में स्टॉक निवेश और म्यूचुअल फंड दोनों के जरिए हुई व्यक्तिगत होल्डिंग्स में सालाना बदलाव पर आधारित है।

उतार-चढ़ाव के बावजूद विश्वास कायम
एनएसई के अनुसार, बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय निवेशक शेयर बाजारों में विश्वास दिखाना जारी रखते हैं। एनएसई ने कहा कि सितंबर 2024 तक, व्यक्तिगत निवेशक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय शेयर बाजार का 17.6 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। इस आंकड़े में बीते वर्षों की तुलना में एक महत्वपूर्ण उछाल आया है। यह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की हिस्सेदारी के लगभग बराबर है। एफपीआई की होल्डिंग वित्त वर्ष 21 में व्यक्तिगत होल्डिंग्स की तुलना में 7.1 प्रतिशत अधिक थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एफपीआई फंड निकाल रहे हैं, लेकिन मजबूत घरेलू प्रवाह ने बाजार को स्थिर रखा है। एनएसई ने अपनी रिपोर्ट में कहा, बाजार में और अधिक निवेशकों के बढ़ने और उनकी कमाई जारी रहने से भारतीय परिवारों की इक्विटी में भागीदारी और बढ़ने की उम्मीद है।

सेंसेक्स 1397 अंक चढ़ा, निफ्टी 24750 के करीब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मैक्सिको और कनाडा पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के बाद एशियाई समकक्षों में सुधार के अनुरूप बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगभग 2 प्रतिशत की तेजी आई ।तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,397.07 अंक या 1.81 प्रतिशत उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर 78,583.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,471.85 अंक या 1.90 प्रतिशत बढ़कर 78,658.59 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 378.20 अंक या 1.62 प्रतिशत बढ़कर 23,739.25 पर पहुंच गया, जो 3 जनवरी के बाद से अब तक का उच्चतम स्तर है। 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में से लार्सन एंड टूब्रो में करीब 5 फीसदी की तेजी आई। अडानी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एशियन पेंट्स भी प्रमुख लाभ में रहे। आईटीसी होटल्स, जोमैटो, नेस्ले और मारुति पिछड़ने वालों में शामिल थे। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग में उल्लेखनीय तेजी रही। यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नकारात्मक दायरे में बंद हुए।

लाखों रुपए के नकली नोट छापकर चला दिए... पुलिस रह गई हैरान

गिरोह के मुख्य सरगना सहित 6 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में, 200 और 500 के जाली नोट और प्रिंटिंग मशीनें बरामद

इंदौर। इंदौर पुलिस ने नकली नोट चलाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के मुख्य सरगना सहित कुल 6 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। पुलिस ने आरोपियों से लाखों रुपये के नकली नोट सहित नोट बनाने वाले उपकरण भी बरामद किए हैं। आरोपी बीस लाख से अधिक रुपयों के नकली नोट चला चुके हैं। सहायक पुलिस आयुक्त विजय नगर आदित्य पटले ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि लसूड़िया क्षेत्र अंतर्गत एक गिरोह इस समय सक्रिय है जो नकली नोट मार्केट में चला रहा है तथा इन्हीं का एक सदस्य नकली नोट लेकर देवास नाका के पास खड़ा है। प्राप्त सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय अमित सिंह द्वारा त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस पर थाना

प्रभारी तारेश कुमार सोनी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर, योजना बना कार्यवाही के लिए लगाया गया। गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए देवास नाका के पास से संदिग्ध आरोपी शुभम उर्फ पुष्पांशु रजक को पकड़ कर आरोपी से पांच सौ रुपये के कुल 46 नकली नोट जप्त किए गए।

इस तरह सामने आते गए आरोपियों के नाम आरोपी शुभम उर्फ पुष्पांशु रजक ने पूछताछ पर बताया कि उसने नकली नोट नसरुल्लागंज निवासी महिपाल उर्फ मोहित बेड़ा से खरीदे हैं। जिसके आधार पर आरोपी महिपाल उर्फ मोहित बेड़ा को नसरुल्लागंज जिला सीहोर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी महिपाल से पूछताछ में जानकारी मिली कि नकली नोट नागपुर निवासी मनप्रीत द्वारा भेजे गए हैं तथा आरोपी महिपाल ने अभी तक 20 लाख के नकली नोट मनप्रीत से खरीदे हैं जिन्हें आरोपी अनुराग चौहान निवासी रहठी जिला नसरुल्लागंज तथा मोहसिन खान निवासी खजराना इंदौर को बेचे हैं।

मुख्य सरगना महाराष्ट्र से पकड़ाया जानकारी के आधार पर आरोपी मोहसिन निवासी खजराना इंदौर एवं आरोपी अनुराग चौहान निवासी रेहटी जिला सीहोर को भी गिरफ्तार किया गया व आरोपियों से नकली नोट बरामद किए गए। बाद में प्रकरण के मुख्य सरगना मनप्रीत सिंह विर्क निवासी नागपुर महाराष्ट्र को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने साथी मलकीत सिंह विर्क के साथ किराए के लिए हुए फ्लैट पर नकली नोट बनाता है जिसके संपूर्ण उपकरण आरोपी मलकीत सिंह के घर पर छिपाकर रखे हैं।

ये उपकरण किए गए जप्त आरोपी मलकीत सिंह की निशादेही पर नकली नोट बनाने के उपकरण जप्त किए। जिसमें 3 लेजर कलर प्रिंटर, 2 लैमिनेशन मशीन, ए फोर साइज के 85 जीएसएम कागज जिन पर 500 व 200 रुपए के नोट छपे हुए हैं तथा नोट बनाने में प्रयुक्त होने वाली वॉटरमार्क व्हाइट इंक आदि सामग्री जप्त की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अभी तक 20 से 22 लाख के नकली नोट तैयार कर बेचे हैं। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनको न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर रिमांड लिया गया है जिनसे और अधिक पूछताछ की जा रही है।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

–मलकीत सिंह विर्क उम्र 28 साल निवासी चोक्स कालोनी कामटी रोड नागपुर महाराष्ट्र

–मनप्रीत सिंह विर्क उम्र 26 साल निवासी चॉक्स कालोनी कामटी रोड नागपुर महाराष्ट्र

– महिपाल उर्फ मोहित बेड़ा उम्र 22 साल निवासी डांडिया वास तहसील भाड़ा जिला जोधपुर हाल निवासी शास्त्री कालोनी नसरुल्हगंज जिला सीहोर

–अनुराग सिंह चौहान उम्र 22 साल निवासी होली टेकरा ग्राम रेटी जिला सीहोर

– मोहसिन खान उम्र चौबीसाल निवासी दाऊदी नगर खजराना इंदौर

– शुभम उर्फ पुष्पांशु रजक उम्र कॉल26 साल निवासी 1009 पु मछरी थाना लाडगंज जिला जबलपुर वर्तमान निवासी स्कीम 136 इंदौर

फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में पार्षद कालरा के खिलाफ जमानती वारंट जारी

इंदौर। फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने भाजपा पार्षद कमलेश कालरा और तीन अफसरों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। कमलेश कालरा पर इंदौर नगर निगम के चुनाव में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने का आरोप है। इस मामले में कोर्ट में याचिका दायर की गई है। हाईकोर्ट ने कालरा के अलावा पिछड़ा वर्ग आयोग, अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख सचिव व कमिश्नर के अलावा एसडीएम के खिलाफ 5000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। सभी को तीन मार्च तक जमानत कराकर हाईकोर्ट में पेश होना होगा। बता दें, पार्षद कमलेश कालरा वही पार्षद हैं, जिनका पार्षद जीतू यादव जाटव के साथ विवाद हुआ था और उसके बाद भाजपा ने यादव को पार्टी से छह सालों के लिए बाहर निकाल दिया था। फोन पर नगर निगम निगम कर्मचारी को गालियां देने के मामले में कालरा के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है। याचिकाकर्ता ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र का उपयोग करने पर याचिका लगाई थी। कोर्ट ने छह माह में आयोग व अफसरों को जांच करने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक बीतने के बावजूद जांच नहीं हो पाई, इसे लेकर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। हाईकोर्ट में कांग्रेस उम्मीद्वार सुनील यादव की तरफ से याचिका लगाई गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि प्रमाण पत्र की जांच के लिए जानबूझ कर देरी की जा रही है। इस मामले में अगली सुनवाई तीन मार्च को होगी।

दो निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद मचा हड़कंप

इंदौर। इंदौर के दो निजी स्कूलों को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। ई-मेल से मिली धमकी के बाद दोनों शैक्षणिक संस्थानों के भवनों को खाली करा लिया गया।अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया, खंडवा रोड पर स्थित न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल और राऊ क्षेत्र के इंदौर पब्लिक स्कूल को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई। ई-मेल में कहा गया कि दोनों विद्यालयों में आरडीएक्स लगा दिया गया है। ई-मेल में तमिल भाषा में भी कुछ बातें भी लिखी गई हैं। इसके बाद स्कूलों को खाली करा लिया गया है और बम निरोधक दस्ते को भेजकर जांच की गई। हालांकि, कुछ भी विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है। राजेंद्र नगर थाना टीआई नीरज बिरथरे ने बताया कि दोनों स्कूलों से सूचना मिलते ही पुलिस बल पहुंच गया था। छात्रों में अफरा तफरी मची थी। पुलिस ने मौके पर जाकर मोर्चा संभाला और हर जगह की तलाशी ली। वहां जांच में कुछ नहीं मिला है। स्कूल

प्रबंधन को धमकी भरा ई-मेल तमिलनाडु से आया है।

20 से ज्यादा जवानों ने की चेकिंग टीआई बिरथरे ने बताया कि बीडीएस (बम डिस्पोजल स्क्वॉड) की टीम मौके पर जांच की। पूरे थाने के 20 से ज्यादा जवानों ने चेकिंग की। प्रारंभिक रूप से फर्जी ई-मेल लग रहा है। इसे भेजने वाले का पता लगा रहे हैं। बच्चों और उनके परिजनों को घबराने की जरूरत नहीं है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि ईमेल तमिल भाषा में आया है। इसे हिंदी और इंग्लिश में कन्वर्ट कराया गया है। ईमेल में लिखा था कि स्कूल में आरडीएक्स फिट कर दिया है। पूरा स्कूल दोपहर 1.30 बजे बम से उड़ जाएगा।

बच्चों को बसों में बैठाकर घर रवाना किया बताया जा रहा है कि स्कूल और परिसर में लगने वाले कॉलेज के छात्रों ने अपने पेरेंट्स को फोन करके बताया कि संभवतः स्कूल को किसी तरह की धमकी मिली है। हजारों स्टूडेंट्स को ताबड़तोड़ बाहर निकाल दिया गया। बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स स्कूल के सामने की लाइन में स्थित मंदिर परिसर में जमा हो गए थे। एनडीपीएस में दूसरी शिफ्ट में आए बच्चों को स्कूल मैदान के बाद क्लास में नहीं जाने दिया और वापस बस में बैठाकर घर भेज दिया गया है। कोई कुछ समझ पाता उसके पहले ही बसों में बच्चों को बैठाकर घर रवाना कर दिया गया। बता दें कि दोनों स्कूलों में 5 हजार से ज्यादा बच्चे हैं।

बच्चों को मॉक ड्रिल का कहकर बाहर निकाला एनडीपीएस की छात्रा श्वेता खत्री ने बताया कि हमें दो पीरियड के बाद बाहर निकाल दिया गया था। हमें तो बाहर आने के बाद पता चला कि किसी धमकी के बाद स्कूल खाली कराया गया है। हालांकि, मॉक ड्रिल की बात इसलिए कही होगी कि बच्चे घबराएं नहीं। इसके बाद पेरेंट्स को जैसे-जैसे सूचना पहुंची, वो आते गए और बच्चों को घर ले गए।

पुलिसकर्मियों के साथ फिर हो गई मारपीट, आर्म्स एक्ट की धारा भी लगी

इंदौर। इंदौर के तिलक नगर में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। चाकू मिलने की सूचना पर पुलिस आरोपी को पकड़ने पहुंची थी। इस दौरान युवक के परिवार के लोगों ने पुलिसकर्मियों से मारपीट कर दी। घटना के बाद मौके पर अन्य पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। युवक को पकड़कर थाने ले जाया गया। पुलिस ने मामले में शासकीय कार्य में बाधा के साथ आर्म्स एक्ट और मारपीट के मामले में केस दर्ज किया है। तिलक नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना स्कीम नंबर 140 के आईडीए बिल्डिंग की है। यहां तिलक नगर थाने के पुलिसकर्मी बलवीर को नाबालिक लड़के के पास चाकू मिलने की सूचना मिली थी। नाबालिक को जब चाकू के साथ यहा पकड़ा गया तो उसकी दो बहनों और मां सपना ने पुलिसकर्मियों से विवाद किया। उनसे मारपीट कर की। काफी देर तक पुलिसकर्मी अकेले अपना बचाव करते रहे। बाद में एफआरवी को सूचना देकर मौके पर बल बुलाया गया। तिलक नगर थाने से और फोर्स भी यहां पहुंचा। जिसके बाद नाबालिक और उसकी मां सपना और दोनों बहनों को पकड़कर थाने लेकर आया गया। तिलक नगर पुलिस ने इस मामले में शासकीय कार्य में बाधा के साथ अन्य मामले में नाबालिक और उसके परिजनों पर केस दर्ज किया है।

कई कंपनियों में अलग-अलग पदों पर 122 युवाओं का चयन किया

इंदौर। इंदौर के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 3 फरवरी को एक दिनी रोजगार मेला आयोजित किया गया। यह रोजगार और अप्रेंटिसशिप मेला (युवा संगम) जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें कई कंपनियों में अलग-अलग पदों पर 122 युवाओं का चयन किया गया है। मेले में 231 युवक-युवतियों ने भाग लिया। पीएस मंडलोई (डिप्टी डायरेक्टर, रोजगार) ने बताया कि मेले में 18 कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन्होंने साक्षात्कार लेकर 122 युवक-युवतियों का शुरूआती रूप से चयन किया। यह चयन सेल्स एक्जीक्युटिव, टेलीकॉलर, पैकिंग, सेल्समेन, टीम लीडर, ड्राइवर, बैक ऑफिस, हेल्पर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर आदि पदों के लिए किया गया। जिला उद्योग केंद्र द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 32 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। उन्हें स्वरोजगार स्थापित किए जाने और प्रकरण तैयार करने हेतु प्रेरित किया गया। शासन की अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 3 आवेदकों का चयन कर कंपनी में भेजे गये। मेले में मुख्य रूप से टाटा मोटर, मोजेक वर्क स्कील, पटेल मोटर्स, श्याम मेटल, लैण्डकॉर्म ग्रुप, डीटी इंड्रस्ट्रीज, जस्ट डॉयल आदि कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

दस रुपए भीख देने पर कार वाले पर एफआईआर, 6 महीने की जेल संभव

इंदौर। इंदौर में भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग के भिक्षावृत्ति उन्मूलन दल ने भिक्षा देने के मामले में दूसरा प्रकरण दर्ज किया है। स्कीम-78 स्थित बावड़ी हनुमान मंदिर के पास एक कार चालक द्वारा 10 रुपये की भिक्षा देने की घटना को कैमरे में कैद कर लिया गया और लसूड़िया थाने में उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया गया। यह मामला तब सामने आया जब 2 जनवरी को कलेक्टर आशीष सिंह ने भिक्षा मांगने और देने, दोनों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश जारी किए थे। इंदौर को भिक्षा मुक्त बनाने के लिए विभाग ने गत वर्ष अभियान शुरू किया था, जिसमें पहले जागरूकता फैलाई गई, फिर भिक्षुकों को समझाइश दी गई और बाद में भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों का रेस्क्यू किया गया। अब इस गतिविधि को रोकने के लिए सीधे आपराधिक प्रकरण दर्ज करवाया जा रहा है। इस मामले में छह महीने तक की जेल और आर्थिक दंड या दोनों का प्रावधान किया गया है। ताजा मामला सोमवार सुबह 10-15 बजे का है,

जब विजयनगर के लसूडिया थाना क्षेत्र में स्थित बावड़ी बालाजी मंदिर स्कीम नंबर-78 में एक भिक्षुक को कार एमपी 09 सीक्यू 4477 के चालक द्वारा 10 रुपये की भिक्षा दी गई। भिक्षावृत्ति उन्मूलन दल ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया और शाम को लसूड़िया थाने में भिक्षा देने वाले कार चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत अपराध पंजीबद्ध करवाया। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने पर छह महीने तक की सजा और आर्थिक दंड भुगतने का प्रावधान है, या फिर दोनों सजाएं एक साथ दी जा सकती हैं। इससे पहले, 21 जनवरी को खंडवा नाका स्थित हनुमान मंदिर में भिक्षा मांग रही एक महिला भिक्षुक को वाहन एमपी 09 एसजी 4361 के चालक ने 10 रुपये दिए थे। इस घटना को भी भिक्षावृत्ति उन्मूलन दल ने कैमरे में रिकॉर्ड किया और मामले को दर्ज कराया। इतना ही नहीं, भिक्षावृत्ति में लिप्त महिला सोनाबाई को दो बार शपथ पत्र देकर जिम्मेदारी लेने वाले उसके पुत्र मुकेश पर भी बीएनएस की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

मकान निर्माण को लेकर नगर निगम अफसरों के सामने दो पक्षों में चले लात-घूंसे

इंदौर। इंदौर के पंढरीनाथ में मकान निर्माण को लेकर नगर निगम के अफसरों के सामने मारपीट हो गई। इस दौरान दो पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। बाद में सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पंढरीनाथ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रीति राजानी की शिकायत पर पुलिस ने पायल राजानी, धरमपाल राजानी, उर्वशी कालरा और दीपक कालरा के खिलाफ मारपीट करने और धमकाने को लेकर कार्रवाई की है। प्रीति ने बताया कि वह और बेटा कपिल राजानी अपने बुटिक पर थे।बेटे कपिल को नगर निगम के अधिकारी मयंक और विनोद अग्रवाल ने कॉल कर बुलाया। प्रीति और उनका बेटा घर पहुंचे, तो नगर निगम के अफसरों

ने पेपर मांगे। इस दौरान प्रीति की देवरानी पायल, देवर धरमपाल, रिश्तेदार उर्वशी और दीपक ने कपिल को अपशब्द कहे और मारपीट करने लगे। प्रीति ने रोका तो उसके साथ भी मारपीट की। प्रीति ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने सरिए और ईट से उन पर हमला किया। आसपास के लोगों ने उनकी जान बचाई।

दूसरे पक्ष की तरफ से मारपीट का केस दर्ज दूसरे पक्ष से उर्वशी कालरा की शिकायत पर प्रीति और उसके बेटे कपिल पर मारपीट का केस दर्ज किया गया है। उर्वशी के मुताबिक उनके पति ने काटजू कॉलोनी में तल मंजिल का हिस्सा खरीदा था। प्रीति आए दिन घर आकर उसी हिस्से को लेकर विवाद करती है।नगर निगम में उन्होंने शिकायत की। इसकी जांच चल रही है।

मजदूरों को काम बंद करने के लिए धमकाया 3 फरवरी को यहां जब निर्माण कार्य चल रहा था, तब प्रीति और उसका बेटा आया और मजदूरों को काम बंद करने के लिए धमकाया। इस बात पर उन्हें रोका तो दोनों ने मारपीट शुरू कर दी। पहली मंजिल पर रहने वाले पायल और उनके पति धरमपाल बचाव करने आए। उनके साथ भी दोनों ने मारपीट की।

रेस्टोरेंट संचालक से शेयर मार्केट के नाम पर ठगी, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर की परदेशीपुरा पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लाखों रूपए की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपी शेयर मार्केट में निवेश कराता है। यहीं से उसकी पहचान हुई थी। इसके बाद साथियों की मदद से उसने ठगी की। परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक, अखिलेश शर्मा निवासी न्यू पंचशील नगर की शिकायत पर हर्ष सोलंकी, साहिल नागवंशी, शीतल मोटघरे और हर्षिता इटवाल पर फजीर्वाड़े को लेकर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक अखिलेश की नाश्ते की दुकान है। उससे दो साल पहले हर्ष सोलंकी की पाटनीपुरा पर पहचान हुई। उसने शेयर मार्केट में निवेश को लेकर प्लान बताया। हर्ष ने इस दौरान मार्केट में निवेश करने के नाम पर अलग-अलग तारीखों में रुपए लिए। जो अखिलेश ने पेटीएम पर ट्रांसफर किए। लेकिन बाद में पता चला कि हर्ष ने वह रुपए शेयर मार्केट में निवेश नहीं किए। न ही वापस किए। अखिलेश ने पुलिस को बताया कि हर्ष ने शेयर मार्केट में डीमेट अकांउट खोलने की बात कही। उससे पूरे डॉक्यूमेंट भी लिए। लेकिन डीमेट अकांउट नही खोला। इसके बाद हर्ष से रुपए मांगे तो वह आनाकानी करने लगा। आरोप ने पाटनीपुरा में एक आफिस खोला है। जिसमें युवक युवतियों को बैठाकर ट्रेंडिंग के नाम पर कॉलिंग कर उनसे ठगी करता है। उक्त कंपनी में अखिलेश के पता करने पर कई लोगों से ठगी की जानकारी मिली। इसके बाद अखिलेश ने थाने जाकर मामले में केस दर्ज कराया है।

रमजान माह के मद्देनजर उलेमाओं ने दी नमाज अदा करने को लेकर हिदायतें

भोपाल। इस्लामी कैलेंडर का रमजान माह जल्दी ही शुरू होने वाला है। इस खास महीने में रोजा और नमाज ए तरावीह (रमजान माह की खास नमाज) का विशेष महत्व होता है। उलेमाओं ने शहर की मस्जिदों में अदा की जाने वाली इस नमाज की अदायगी के लिए कुछ हिदायतें दी हैं। उन्होंने मस्जिदों के जिम्मेदारों से इस तरह के इंतजाम करने के लिए कहा है।काजी ए शहर सैयद मुश्ताक अली नदवी और शहर मुफ्ती अब्दुल कलाम खान कासमी ने कहा कि रमजानुल मुबारक महीना अपनी नैमतों, बरकतों और नैकियों के साथ आने वाला है। इस महीने में दो खास आमाल होते हैं। पहला अमल दिन का रोजा है जो फर्ज है और दूसरा अमल रात में इशा की नमाज के साथ नमाजे तरावीह है। नमाजे तरावीह में अल्लाह पाक के मुकद्दस कलाम कुरआन मजीद को पढ़ने और सुनने का हसीन मौका मिलता है। लेकिन अधिकांश लोग मसाजिद में तरावीह में पढ़ाने वाले कुरआन को साफ साफ, ठहर ठहर कर उच्चारण और आदाब के साथ पढ़ने की पाबंदी नहीं करते हैं। बहुत ही तेज रफ्तारी के साथ कुरआन पढ़ा जाता है। जबकि कुरआन पाक को मुकम्मल

आदाबे तजवीद व तरतील और तलपफुज की रिआयत के साथ साफ साफ, ठहर ठहर कर पढ़ना चाहिए।

दिया हदीस का हवाला उलेमाओं ने कहा कि कुरआन में अल्लाह का साफ हुक्म मौजूद है ह्ववरत्तेलिल कुरआना तरतीलाह्व कुरआन को ठहर ठहर कर पढ़ो। इसी तरह हदीसे पाक में हजरत बर्रा बिन आजिंए रह0 से रिवायत है कि नबी करीम सल्ललाहो अलैयहे वसल्लम ने फरमाया 'जय्येनुल कुरआना बिअस्वातेकुम' (अबुदाऊद इस्तेहबाबुल तरतील फिल क्रिआत-1256) कुरआन पाक को अपनी आवाज से मुजय्यन करो। इसी तरह हुजैफा बिन यमान रजि0 से मरवी है कि नबी करीम सल्ललाहो अलैयहे वसल्लम ने फ्रमाया 'इक्रा वल कुरआना बिलहनिल अल अरावे व असवातेहा' (शोबुलईमान-2541) कुरआन पाक एहले अरब के लहजे और तर्ज व आवाज में पढ़ो। एक और हदीस पाक में है 'हस्सेनुल कुरआना बिअस्वातेकुम फइन्नस्स सूतल हसाना यजीदुल कुरआना हुसना' (शोबुलईमान) अच्छी आवाज कुरआने करीम के हुस्न को बड़ा देती है।

जिम्मेदारों को ताकीद तमाम उलैमा-ए-किराम मुपितयाने इजाम व जुम्ला मसाजिद के जिम्मेदारान सदर व सेक्रेट्री व रेहनुमा-ए-दीन व मिल्लत से दरख्वास्त है कि अपने मुहल्ले की मस्जिद में अच्छे और बेहतरीन तर्ज व आवाज और तजवीद व तरतील के साथ ठहर ठहर कर पढ़ने वाले हाफिज साहब का इंतेखाब करें और किसी भी मस्जिद के जिम्मेदार या साहिबे असर रसूख अपनी कुव्वत व ताकत और आपने ओहदे का इस्तिमाल न करते हुए अल्लाह के लिए अच्छे हाफिज यानि जिस को खूब याद हो का चयन करें और पूरे महिने तरावीह में इमाम के पीछे कुरआन पाक सुनने का निजाम बनाएं। उलेमाओं ने कहा कि इसके साथ एक सामिअ का भी इंतेजाम किया जाए। जिसमें दोनों के हदिये में भी बराबरी बरती जाए तो बेहतर है। शहर व बैरुने शहर में नए नए हुपफाज की तादाद बढ़ रही है। नए हाफिजों को मस्जिदों में जगह न मिलने की बिना पर इनका हिफ्ज खतरे में आ जाता है। कई बार वह भूल जाते हैं। इसलिए तमाम मस्जिदों में अगर दो हाफिज साहिबान रोजाना दस-दस रकआत पढ़ाएं तो हर एक हाफिज पढ़ने वाला भी होगा और सुनने वाला भी।

इस तरह पढ़ें तरावीह उलेमा ने कहा कि जिन मसाजिद में 27वीं शब में कुरआन मुकम्मल किया जाए, वह इस तरतीब से पढ़ें कि पहले रमजान से 15 रमजान तक सवा पारा पढ़ें। 16 से 27 तक एक पारा पढ़ने का निजाम बनाएं। ताकि कोई भी किसी भी मस्जिद या मुहल्ले में कुरआन तरतीब से सुन सके।

सौरभ संग चेतन और शरद भेजे गए जेल, काली कमाई वाली तिकड़ी पर शिकंजा

भोपाल। भोपाल में पकड़ाया करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके साथी चेतन और शरद को जेल भेज दिया गया है। लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें फिर से रिमांड पर ले लिया है। यह रिमांड 17 फरवरी तक चलेगी। इन तीनों पर अरबों की चल अचल संपत्ति मिलने के मामले में जांच चल रही है। दरअसल, 19 दिसंबर 2024 को भोपाल के मेंडोरी में चेतन की कार से बरामद 52 किलो सोना और करोड़ों रुपये बरामद हुआ था। पहले भी इन्हें सात दिन की रिमांड पर रखा गया था, लेकिन लोकायुक्त को अभी तक सोने और नकदी का पता नहीं चल पाया है। इन तीनों को मंगलवार 4 फरवरी को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां लोकायुक्त ने आगे की पूछताछ के लिए उन्हें फिर से रिमांड पर लेने की मांग की। लोकायुक्त पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि यह सोना और पैसा किसका है और कहां से आया। इस मामले में कई खुलासे हो सकते हैं। सौरभ, शरद और चेतन तीनों ही आसानी से कुछ बताने को तैयार नहीं हो रहे हैं। पिछले सात दिन की रिमांड के दौरान तीनों आरोपियों ने कई बेनामी संपत्तियों का खुलासा किया। पर अभी भी सोने और नकदी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। लोकायुक्त पुलिस का मानना है कि आगे की पूछताछ में और जानकारी मिल सकती है। इसलिए उन्हें फिर से रिमांड पर लिया गया है। अब देखना होगा की आगामी जांच में लोकायुक्त की टीम कौन से नए खुलासे करती है।

सौरभ शर्मा दिखा रहा हेकड़ी करोड़पति कांस्टेबल सौरभ शर्मा लोकायुक्त के अफसरों के सामने खूब हेकड़ी दिखाकर बात कर रहा है। सोमवार को उससे लगातार पांचवे दिन पूछताछ में उसने फिर रटी रटाई बात ही दोहराई। लोकायुक्त पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सौरभ शर्मा ने कहा कि उसने कुछ भी गलत ढंग से नहीं कमाया है। उसके पास मिली करोड़ों रुपये की दौलत के बारे में सौरभ ने कहा कि यह संपत्ति उसकी है ही नहीं। उसने जो भी कमाया है वह रियल स्टेट के बिजनेस से कमाया है। उसका मुख्य कारोबार यही है।

लोकायुक्त से ही करने लगा सवाल करोड़ों रुपए के साम्राज्य के बारे में सवाल पूछे गए सवाल के जवाब में उसने कहा कि उसने गलत तरीके से पैसे नहीं कमाए हैं। जब उससे दूसरों की संपत्ति के बारे में पूछा गया तो सौरभ ने उल्टा लोकायुक्त पुलिस से सवाल किया कि इस मामले में उससे क्यों पूछताछ की जा रही है।

सौरभ ने साध रखी है चुप्पी सौरभ ने स्पष्ट किया कि यदि उसकी संपत्ति के बारे में बात की जाए तो वह पूरी तरह से सहयोग करेगा। परिवहन विभाग के अवैध नाकों के संचालन और उससे जुड़े लोगों के संबंध में सौरभ ने चुप्पी साधी रखी। खास बात यह है कि 50 से अधिक संपत्तियों में केवल दो ही सौरभ के नाम हैं।

दुबई जाने को लेकर यह बोला सौरभ सौरभ ने पूछताछ में इस बात का भी खुलासा किया है कि, वह केवल एक ही बार दुबई के टूर पर गया है। पत्नी के साथ वीकेंड मनाने के इरादे से गया था, 15 दिन का टूर था। छापे की खबर मिलते ही 7 वें दिन में लौट आया था। उसने कहा है कि मेरा विदेश में कोई कारोबार नहीं है, दुबई में मेरी कोई संपत्ति नहीं है।

ये संपत्तियां हैं सौरभ के नाम सौरभ के नाम पर ग्वालियर में स्थित पैतृक निवास में हिस्सा और एक अन्य संपत्ति इंदौर में बताई जा रही है। हालांकि सौरभ की कंपनी में करीब 50 से अधिक कर्मचारी काम करते थे, जिनकी सूची लोकायुक्त ने तैयार कर ली है।

रेल बजट में मप्र की 31 नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट में रेल बजट भी शामिल है। इसमें मध्यप्रदेश के हिस्से कितना बजट आया है और प्रदेश में रेलवे विकास को कितनी गति मिलेगी इसे लेकर तस्वीर साफ हुई है। रेल बजट 2025-26 में मध्यप्रदेश के लिए 14,745 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो राज्य के रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्यप्रदेश को कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की सौगात मिली है। इस बजट में प्रदेश को 31 नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इनकी कुल लंबाई 5,869 किलोमीटर है। इन परियोजनाओं पर कुल 1,04,987 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों के अनुसार इन परियोजनाओं के पूरा होने से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर रेल कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं में विस्तार होगा। स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत रानी कमलापति, ग्वालियर, खजुराहो, सतना, इंदौर, बीना और जबलपुर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के पूर्व से ही पुनर्विकास पर 1,950 करोड़ रुपए की लागत से काम चल रहा है।

80 स्टेशनों को मिले 2,708 करोड़ रेल बजट में मध्यप्रदेश के 80 स्टेशनों पर 2,708 करोड़ खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है। बालाघाट, बनापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बैतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, ब्यावरा राजगढ़, अकौदिया, आमला, अनूपपुर, अशोकनगर, छिंदवाड़ा, डबरा, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ,दमोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जंक्शन, खाचरोद, खजुराहो जंक्शन, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी जंक्शन, मंडला फोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, श्यामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा और विक्रमगढ़ आलोट, नैनपुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नेपनागर, नीमच, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रुथियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

एम्स में सुरक्षा देखने वाले 200 जवानों को नौकरी से हटाया

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स में सुरक्षा व्यवस्था में कार्यरत 200 पूर्व सैनिकों को नौकरी से हटा दिया गया है। जिससे वे बेरोजगार हो गए हैं। आर्थिक रूप से प्रभावित पूर्व सैनिकों में नाराजगी है। नौकरी से हटाए गए पूर्व सैनिकों ने इंडियन वेटरन ऑगेर्नाइजेशन के सहयोग से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर अपनी बहाली की मांग की है। एम्स प्रबंधन का कहना है कि कॉन्ट्रैक्ट पीरियड समाप्त होने के कारण हटाया गया है।पूर्व सैनिकों ने पत्र के माध्यम से कहा कि इंडियन वेटरेनस ऑगेर्नाइजेशन भारत के पूर्व सैनिकों का बहुत बड़ा ऑर्गनाइजेशन है। यह हमेशा प्रशासन की मदद करता रहता है। भोपाल में करीब 200 पूर्व सैनिक एम्स में सेवारत थे, उन्हें अचानक नौकरी से हटा दिया गया है। यह पूर्व सैनिकों के साथ घोर अन्याय है। पूर्व सैनिक हमेशा कोई भी सरकारी संपति की बहुत ईमानदारी से देखभाल करता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध करते हुए कहा कि निदेशक एम्स भोपाल को तुरंत निर्देशित कर उनकी बहाली की जाए। मामले पर एम्स प्रबंधन ने सफाई देते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों का कॉन्ट्रैक्ट पीरियड समाप्त हो गया था, जिसके चलते उन्हें हटा दिया गया है। संस्थान के अधिकारियों के अनुसार, यह एक नियमित प्रक्रिया है जिसमें कान्ट्रैक्ट पूरा होने के बाद नई एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि नई एजेंसी ने पूर्व सैनिकों को दोबारा नियुक्त करने पर विचार क्यों नहीं किया।

दया बनेगी दुख का कारण... इंदौर के बाद भोपाल में भिक्षावृत्ति पर बैन

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में अब भीख मांगना और भीख देना दोनों जुर्म है। जिला प्रशासन ने सख्त आदेश जारी किया है। भीख मांगने या देने पर एफआईआर दर्ज होगी। यह फैसला एक भिखारी द्वारा नागरिक से बदतमीजी के बाद लिया गया। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने यह आदेश जारी किया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी हुआ है। भिखारियों के लिए कोलार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रहने-खाने की व्यवस्था की गई है। भोपाल प्रशासन ने भीख मांगने और देने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार रात को यह आदेश जारी किया। इससे पहले इंदौर में भी ऐसा ही आदेश लागू किया गया था। भोपाल में एक भिखारी पर 26 जनवरी की रात एफआईआर दर्ज हुई थी। एमपी नगर थाने में यह मामला दर्ज हुआ। दरअसल, एक नागरिक ने भीख न देने पर भिखारी द्वारा की गई

बदतमीजी की शिकायत की थी। पुलिस ने भिखारी को पकड़ा और पूछताछ की। जमानती धारा होने के कारण उसे नोटिस देकर छोड़ दिया गया। इस घटना के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए भीख मांगने और देने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नए आदेश के अनुसार भोपाल की सीमा में कोई भीख नहीं मांग सकता। कोई भी किसी को भीख नहीं दे सकता। यहां तक कि भिखारियों से कोई सामान खरीदना भी मना है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। प्रशासन चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी करेगा। इससे नियम तोड़ने वालों पर नजर रखी जा सकेगी।

यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत लागू किया गया है। इस धारा के तहत प्रशासन को लोगों की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाने का अधिकार है। भिखारियों के पुनर्वास के लिए भी व्यवस्था की गई है। कोलार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को भिक्षुक गृह बनाया गया है। यहां भिखारियों के रहने, खाने-पीने की व्यवस्था होगी। उन्हें यहां आश्रय दिया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इससे भिखारियों को भीख मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे एक सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे। यह कदम शहर की सुंदरता और सुरक्षा दोनों के लिए जरूरी है। इससे नागरिकों को भीख मांगने वालों से होने वाली परेशानी से भी निजात मिलेगी।

भोपाल के मुस्लिम कवि ने भगवान राम पर लिखी गजल, पीएम मोदी ने की तारीफ

भोपाल। भोपाल में एक मुस्लिम कवि अंजुम बाराबंकवी ने भगवान राम की स्तुति में एक गजल लिखी है, जिसकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारीफ की है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस गजल की सराहना करते हुए बाराबंकवी को एक पत्र भेजा है। चिट्ठी में इस रचना के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया है। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके जैसे देशवासियों की कोशिशों से देश गौरवान्वित हो रहा है और इससे देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यअपनी समृद्ध विरासत पर गर्व की भावना के साथ, हम अमृत काल में एक भव्य और विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आप जैसे देशवासियों द्वारा किए जा रहे प्रयास देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।ह्न पीएम ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के मौके पर लिखी गई गजल के जरिए भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने के लिए भी बाराबंकवी की तारीफ की। मूल रूप से यूपी के अवध के रहने वाले बाराबंकवी ने कहा कि भगवान राम का बचपन से ही उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है, क्योंकि उनके आदर्श अतुलनीय हैं- चाहे वह एक बेटे के रूप में हों, एक भाई के रूप में हों, एक पति के रूप में हों, अपने 14 साल के वनवास के दौरान एक संन्यासी के रूप में हों, एक राजा के रूप में हों या एक पिता के रूप में हों। उन्होंने कहा, श्री राम आदर्श भाई, पुत्र और पति का उदाहरण हैं। उनका चरित्र इस बात का मानक तय करता है कि किसी व्यक्ति में क्या गुण होने चाहिए। यही कारण है कि हर व्यक्ति उनमें अपना प्रतिबिंब देखता है। उनके चरित्र में कुछ ऐसा है जो आपको अपनी ओर खींचता है, जिससे उनके खिलाफ एक शब्द भी बोलना असंभव हो जाता है। हिंदू देवता पर गजल लिखने पर समुदाय के नेताओं द्वारा विरोध की संभावना को लेकर पूछे जाने पर, बाराबंकवी ने कहा कि अगर श्री राम पर गजल लिखने के लिए उनके खिलाफ फतवा भी जारी किया जाता है, तो भी इससे उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आजकल के माहौल में वंदे मातरम जैसे शब्दों के उच्चारण पर अक्सर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। लेकिन बाराबंकवीइस बात पर जोर दिया कि उनका पालन-पोषण ऐसे माहौल में हुआ है

पांचवीं -आठवीं की परीक्षा में इस बार छोटे जवाब अधिक देना होंगे

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की पांचवीं और आठवीं की वार्षिक परीक्षा के प्रश्नपत्रों की रूपरेखा और अंक योजना जारी हो गई है। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों को प्रश्नों के छोटे-छोटे उत्तर अधिक देने होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ, रिक्त स्थान भरो और अति लघु उत्तरीय प्रश्न अधिक पूछे जाएंगे। वहीं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या बेहद कम होगी।मंडल की यह वार्षिक परीक्षा 24 फरवरी से शुरू होकर पांच मार्च तक चलेगी। इस परीक्षा के लिए प्रदेश में 12 हजार केंद्र बनाए गए हैं। दोनों कक्षाओं के करीब 24 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। इस सबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। परीक्षा परिणाम के लिए अधिभार अंक भी निर्धारित कर दिया गया है। इसके मुताबिक अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए अधिभार अंक 20, वार्षिक परीक्षा लिखित अधिभार अंक 60 और वार्षिक परीक्षा प्रोजेक्ट कार्य के लिए अधिभार अंक 20 निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक विषय में दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या चार होगी। वहीं पांच बहु विकल्पीय प्रश्न, पांच रिक्त स्थान भरो और छह अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों की संख्या भी छह होगी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा निर्धारित ब्लू प्रिंट के आधार पर प्रश्न-पत्र तैयार होंगे। सरकारी स्कूलों के लिए प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से तैयार कराए जाएंगे, जबकि निजी स्कूल निर्धारित ब्लू प्रिंट के आधार पर प्रश्न-पत्रों को स्वयं तैयार कराएंगे। सरकारी स्कूलों में भाषा विषय (हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत) की राज्य स्तर के एससीईआरटी पाठ्यपुस्तक से और निजी स्कूलों में एनसीईआरटी से प्रश्न पूछे जाएंगे।

हज कमेटी का निर्देश...हज यात्री 18 फरवरी तक जमा करवाएं पासपोर्ट

भोपाल। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज 2025 के चयनित हज यात्रियों को पासपोर्ट की मूल प्रति जमा कराने की हिदायत दी है। 18 फरवरी तक जमा किए जाने वाले पासपोर्ट की स्वच्छ कॉपी होना चाहिए, जिनके पास वैध पासपोर्ट उपलब्ध न हो उन आवेदकों को नया पासपोर्ट बनवाकर समयावधि में जमा करने के लिए कहा गया है। मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी अध्यक्ष रफत वारसी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया से इस बाबद सूचना आई है। इसके आधार पर प्रदेश के सभी चयनित हाजियों को एसएमएस और टेलीफोनिक सूचना भेज दी गई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया से प्राप्त जानकारी अनुसार, हज 2025 हेतु मशीन रीडेबिल मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट, मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी हज हाउस भोपाल में जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 18 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है।

इसका ध्यान रखें हज कमेटी ऑफ इंडिया ने कहा है कि हज 2025 हेतु प्रोविजनल चयनित हज यात्री अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट की मूल प्रति जमा करने से पूर्व अच्छी तरह से जांच लें कि उनका पासपोर्ट वैध हो, अच्छी हालत में हो, किसी भी तरह के क्षति, फटने, गीले होने, ढीली बाइंडिंग या मार्किंग/निशान से मुक्त हो।

हिदायत यह भी जिन हज यात्रियों का मूल अंतर्राष्ट्रीय उक्त अवस्था (पासपोर्ट वैध हो, अच्छी हालत में हो, किसी भी तरह के क्षति, फटने, गीले होने, ढीली बाइंडिंग, या मार्किंग/निशान से मुक्त हो) में न हो उनको निर्देशित किया गया है कि वह अपने वर्तमान पासपोर्ट की प्रति मध्यप्रदेश राज्य कमेटी में एक आवेदन के साथ जमा कर जानकारी दें तथा नए पासपोर्ट के लिए तत्काल आवेदन कर नया पासपोर्ट बनवाकर जमा करें।

जानकारी यहां मिलेगी इस संबंध में हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट ँ33स्र2ज्/ /ँनूड्म्रे33ी.ॅड्म5.ल्ल पर परिपत्र क्रमांक 28 (हज-2025) का अवलोकन किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष क्रमांक 0755-2530139 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

बजट 2025- मध्यम वर्ग के लिए आयकर में राहत, लेकिन पूंजीगत लाभ कर पर बढ़ती चिंताएं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में मध्यम वर्ग के लिए महत्वपूर्ण आयकर राहत की घोषणा की है। नए कर व्यवस्था के तहत, 12 लाख तक की वार्षिक आय पर अब कोई आयकर नहीं लगेगा, जिससे लाखों करदाताओं को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार का दावा है कि इस कदम से मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी, जिससे अर्थव्यवस्था में उपभोग और मांग को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का मानना है कि आयकर छूट की सीमा बढ़ाने से मध्यम वर्ग के हाथ में अधिक धन होगा, जिससे उपभोग में वृद्धि होगी। इससे न केवल उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि अर्थव्यवस्था में मांग भी बढ़ेगी, जो आर्थिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा, बजट में पूंजीगत व्यय को 10त्न बढ़ाकर 11.2 लाख करोड़ किया गया है, जिससे बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। हालांकि, बजट की कुछ घोषणाओं पर आलोचकों ने सवाल उठाए हैं। वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार ने एक कार्यक्रम में यह सवाल उठाया कि क्या यह आयकर राहत वास्तव में मध्यम वर्ग के लिए लाभकारी होगी या यह केवल एक चुनावी रणनीति है। उन्होंने यह भी चर्चा की कि बजट में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त आवंटन नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव ने कृषि बजट में कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि 2019-20 में कृषि बजट जीडीपी का 5.95% था, जो 2025-26 में घटकर केवल 3.06% रह गया है। उनका मानना है कि इस बजट में किसानों के लिए केवल शब्द हैं, लेकिन वित्तीय समर्थन की कमी है। आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भी बजट की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने गंभीर आर्थिक समस्याओं के लिए केवल सतही समाधान प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने बजट को बुलेट से हुए घाव के लिए बैंड-एड से पट्टी करने जैसा बताया। बजट 2025 में पूंजीगत लाभ कर (कैपिटल गेन टैक्स) के संबंध में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, संपत्ति या अन्य परिसंपत्तियों से अल्पकालिक पूंजीगत लाभ अर्जित करता है, तो इस पर 20% की दर से कर लगेगा। दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर 12.5% की दर से कर लागू होगा, बशर्ते कि पूंजीगत लाभ 1 लाख से अधिक हो। आलोचकों का मानना है कि पूंजीगत लाभ कर में इन बदलावों से निवेशकों पर अतिरिक्त भार पड़ेगा, जिससे निवेश की गति धीमी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे शेयर बाजार में निवेश करने वाले मध्यम वर्ग के निवेशकों की आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस बजट में मध्यम वर्ग को आयकर में राहत दी गई है, जो उनकी क्रय शक्ति को बढ़ाने में सहायक होगी। लेकिन पूंजीगत लाभ कर में किए गए बदलावों से निवेशकों के बीच चिंताएं बढ़ी हैं। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यम और राघुराम राजन का कहना है कि यदि सरकार को अधिक स्थिर आर्थिक विकास की दिशा में काम करना है, तो उसे निवेश को बढ़ावा देने वाले उपायों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और किसी भी तरह के निवेश कर वृद्धि से बचना चाहिए। बजट 2025 में कृषि, स्वास्थ्य, और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त आवंटन की कमी पर आलोचकों की चिंता व्यक्त की गई है। सरकार को इन आलोचनाओं को ध्यान में रखते हुए नीतिगत सुधारों की आवश्यकता हो सकती है।

(राजीव खरे, ब्यूरो प्रमुख, छत्तीसगढ़)

देश में डॉक्टरों की किल्लत और सरकार का बजट

भारत में औसतन 10,000 लोगों पर मात्र 2-3 डॉक्टर ही हैं। देश में डॉक्टरों की किल्लत है। जो नए एम्स खड़े किए जा रहे हैं, उनमें डॉक्टरों के आधे से अधिक पद खाली पड़े हैं, क्योंकि योग्य और विशेषज्ञ डॉक्टरों का बहुत अभाव है। ऐसे में आगामी 5 साल में 75,000 मेडिकल सीटों का सृजन महत्वपूर्ण घोषणा है। उनमें से 10,000 सीटें आगामी एक साल में ही सृजित करने का लक्ष्य तय किया गया है, लेकिन यह भी सवालिया है, क्योंकि विशेषज्ञ और वरिष्ठ चिकित्सक मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर आशंकित हैं।

भारत में औसतन 10,000 लोगों पर मात्र 2-3 डॉक्टर ही हैं। देश में डॉक्टरों की किल्लत है। जो नए एम्स खड़े किए जा रहे हैं, उनमें डॉक्टरों के आधे से अधिक पद खाली पड़े हैं, क्योंकि योग्य और विशेषज्ञ डॉक्टरों का बहुत अभाव है। ऐसे में आगामी 5 साल में 75,000 मेडिकल सीटों का सृजन महत्वपूर्ण घोषणा है। उनमें से 10,000 सीटें आगामी एक साल में ही सृजित करने का लक्ष्य तय किया गया है, लेकिन यह भी सवालिया है, क्योंकि विशेषज्ञ और वरिष्ठ चिकित्सक मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर आशंकित हैं। फिलहाल देश में 1.16 लाख मेडिकल सीटें हैं। नए बजट में 200 जिला अस्पतालों में कैंसर के डे-केयर सेंटर स्थापित करने की घोषणा भी बेहद मानवीय है, क्योंकि महानगरों को छोड़ दें, तो दूरदराज और कस्बाई इलाकों में कैंसर जैसी घातक बीमारी की जांच और उसके इलाज की बुनियादी सुविधाएं ही नहीं हैं। कैंसर के विशेषज्ञ डॉक्टर भी बहुत कम हैं। राजधानी दिल्ली में ही कैंसर अस्पताल में न तो नियमित डॉक्टर हैं और न ही जांच करने वाली मशीनें कार्यरत हैं। औसतन मरीज को 7-8 महीने बाद की तारीख दी जाती है। इतने अंतराल में मरीज की मौत भी संभावित है, लिहाजा 200 खोलने की घोषणा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चरणबद्ध होनी चाहिए कि कब, कितने केंद्र खुलेंगे और बाकायदा सुचारू रूप से काम करना शुरू कर देंगे? यह भी गौरतलब सवाल है कि कैंसर केंद्रों का संचालन कैसे किया जाएगा? क्या उनका संचालन निजी भागीदारी के साथ होगा अथवा सरकार के स्तर पर ही तमाम बंदोबस्त किए जाएंगे? निजी अस्पतालों में कैंसर के इलाज की सुविधाएं तो हैं, लेकिन इलाज बेहद महंगा है। औसत व्यक्ति इतना पैसा खर्च करने में असमर्थ है।

कुछ साल पहले इसी तर्ज पर जिला अस्पतालों में गुर्दा मरीजों के लिए डायलिसिस की सुविधा शुरू की गई थी। उसका फायदा काफी लोगों को मिला था। इसी तरह कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सकती है। स्वास्थ्य बजट के राजनीतिक आयाम भी हैं। मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना लागू तो कर रखी है, लेकिन उसका भी अर्द्धसत्य यह है कि सिर्फ सर्जरी के मामले में ही वह कार्ड मान्य है। यदि आप अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं, तो आयुष्मान के जरिये इलाज नहीं करा सकते। आयुष्मान की पात्रता के लिए भी कई शर्तें हैं, लिहाजा उन्हीं को यह सेवा उपलब्ध है, जो बिल्कुल वंचित जमात के हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत में सरकार 50.2 फीसदी इलाज का ही खर्च उठाती है। शेष 49.8 फीसदी लोग अपनी जेब से ही इलाज कराने को विवश हैं। दिल्ली अर्द्धराज्य की सरकार मुफ्त स्वास्थ्य के जुमले का शोर मचाती रही है, लेकिन सरकारी अस्पतालों में आम आदमी की स्थिति कीड़े-मकौड़े जैसी है। डॉक्टरों का व्यवहार बेहद रूखा है। शायद ही कोई अपवाद होगा, जिसका इलाज दिल्ली सरकार ने अपने खर्च पर निजी अस्पताल में कराया होगा! बहरहाल इन समस्याओं का बजट में अकसर उल्लेख नहीं होता। बजट तो भारत सरकार की बैलेंस शीट होती है। 2025-26 में स्वास्थ्य बजट 99,858 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। बीते वित्त वर्ष की तुलना में यह 8-9 हजार करोड़ रुपए अधिक है। यह पर्याप्त नहीं है। बजट में अनुसंधान पर भी विशेष फोकस किया गया है। चालू वित्त वर्ष में अनुसंधान विभाग का बजट 3301 करोड़ रुपए था। उसे बढ़ाकर 3900 करोड़ किया गया है। कुछ गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाएं सस्ती करने की घोषणा की गई है, लेकिन असली दवाओं की उपलब्धता बेहद जरूरी है। लंबे अंतराल से बहस जारी है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट कमोबेश 6 फीसदी होने चाहिए। चूंकि मुद्रास्फीति बढ़ती रही है, लिहाजा बजट का कमोबेश 10 फीसदी स्वास्थ्य पर खर्च करना चाहिए। यह बजट 1 लाख करोड़ से भी कम है, जबकि कुल बजट 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है। गणना कर लीजिए कि शिक्षा-स्वास्थ्य पर कितना बजट आवंटित किया गया है।

भारत सरकार स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल 1त्न खर्च करती है। इस प्रकार स्वास्थ्य सेवा प्रणाली कर्मचारियों की कमी, खराब बुनियादी ढांचे आदि से ग्रस्त है। इसके कारण अस्पतालों और चिकित्सा शिक्षा के लिए संस्थानों की संख्या भी कम हो गई है। प्रशिक्षित डॉक्टरों की कमी के कारण अयोग्य नीम हकीमों की भरमार हो गई है। ग्रामीण भारत में खुद को डॉक्टर कहने वाले सिर्फ 19त्न लोगों के पास ही मेडिकल डिग्री है। ये नीम हकीम आमतौर पर वैकल्पिक उपचारों, जैसे होम्योपैथी, में प्रशिक्षित होते हैं, लेकिन मदद की तलाश कर रहे मरीजों के सामने खुद को योग्य चिकित्सा पेशेवर के रूप में प्रचारित करते हैं। भारत में डॉक्टरों और क्लीनिकों की कमी है, खासकर ग्रामीण इलाकों में और महामारी और टीबी जैसी बीमारियों के मामले में। इस प्रकार रोगियों का या तो कभी निदान नहीं हो पाता या बहुत देर से निदान होता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने छेड़ दिया व्यापार युद्ध

ट्रेड वार, यानी व्यापार युद्ध मिसाइलों और तोपों से नहीं लड़े जाते, पर ये उतनी ही तबाही मचा सकते हैं। ये युद्ध आंकड़ों, नीतिगत दांव और राजनीतिक वीरता से लड़े जाते हैं। यह जंग अब कहां शुरू हुई? असल में, अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए टैरिफ का प्रस्ताव रखकर आर्थिक तोप का एक ऐसा गोला दागा है, जो वैश्विक बाजार को हिला सकता है और व्यापारिक रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। टैरिफ किसी भी देश के आर्थिक शस्त्रागार का सबसे पुराना शस्त्र है। मुक्त व्यापार समझौतों और विश्वव्यापी मूल्य शृंखलाओं के आने से पहले राज्यों व शासकों ने इसका ढाल और तलवार, दोनों रूपों में इस्तेमाल किया, ताकि घरेलू उद्योगों को वे प्रतिस्पर्द्धा से बचा सकें और जवाबी टैरिफ के साथ प्रतिस्पर्द्धी अर्थव्यवस्था पर हमला बोल सकें। ब्रिटिश राज ने इस खेल को बखूबी खेला, भारत के उद्योगों को टैरिफ के भार से दबाया और यह सुनिश्चित किया कि उप-महाद्वीप ब्रिटिश उत्पादों से भर जाए। भारत ने इससे सबक सीखा। आजादी के बाद के संरक्षणवाद से लेकर आज के समय में आयात शुल्क लगाने की सोची-समझी नीति तक, हमने टैरिफ का इस्तेमाल राष्ट्रीय हितों की रक्षा और अपने उद्योगों को बढ़ावा देने में किया है। मगर अब इतिहास खुद को दोहरा रहा है। हां, इस बार युद्ध का मैदान वैश्विक है, दांव ऊंचे हैं और खिलाड़ी पहले की तुलना में कहीं अधिक परस्पर जुड़े हुए हैं। सवाल यह है कि क्या टैरिफ की यह नई लहर अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करेगी या खुद हमारा ही नुकसान करेगी?

कनाडा व मेक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की डोनाल्ड ट्रंप की नई घोषणा ने आर्थिक अस्थिरता का एक नया दौर शुरू कर दिया है। अमेरिका प्रथम की नीति के साथ शुरू हुई यह जंग विश्व व्यापार को नया रूप देने जा रही है और सरकारों व उद्योगों को अपनी रणनीतियों पर फिर से सोचने को मजबूर कर रही है। इसके तात्कालिक परिणाम स्पष्ट हैं- आयात लागत का बढ़ना, आपूर्ति शृंखला में रुकावट और बहुराष्ट्रीय कारोबार में अनिश्चितता की लहर। उत्तरी अमेरिका में काम करने वाली ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता वस्तु बनाने वाली कंपनियों की लागत अब खास तौर पर बढ़ने लगी है। इसका असर उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है, जब विदेशी प्रतिस्पर्द्धी कंपनियां बढ़े हुए शुल्क का सामना करती हैं, तब घरेलू कंपनियां भी अमूमन अपनी कीमतें बढ़ा देती हैं। माना जा रहा है कि नए टैरिफ के कारण अमेरिका में हर साल बिकने वाली करीब 1.6 करोड़ कारों की कीमतों में 3,000 डॉलर का इजाफा हो सकता है।

इस टैरिफ का असर अमेरिकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। बेशक, अमेरिका मजबूत घरेलू बाजार के कारण सुरक्षित रह जाए, लेकिन कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों को, जहां जीडीपी में कारोबार की हिस्सेदारी 70 फीसदी तक है, काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स का अनुमान है कि चुनिंदा उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ से मेक्सिको की जीडीपी को 16 फीसदी का नुकसान हो सकता है। यह एक ऐसा झटका है, जो पूरे लैटिन अमेरिका में फैल सकता है।

यहां चीन की चर्चा भी जरूरी है, क्योंकि उसके लिए व्यापार युद्ध कोई नई बात नहीं है, मगर पिछले कुछ वर्षों में उसने अपनी आर्थिक निर्भरता को कई हिस्सों में बांट दिया है। इसके कारण उसकी जीडीपी में आयात और निर्यात की हिस्सेदारी महज 37 फीसदी रह गई है, जो 2000 के दशक की शुरूआत में 60 फीसदी से ज्यादा थी। बेशक नया अमेरिकी टैरिफ उसे परेशान करेगा, पर वह पहले की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित है।

जहां तक विश्व अर्थव्यवस्था की बात है, तो सवाल सिर्फ टैरिफ का नहीं, बल्कि विश्वास का है। वर्षों की श्रमसाध्य मेहनत से तैयार व्यापार समझौते अब नाजुक लगने लगे हैं। नियम-आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था के अब ऐसी व्यवस्था में बदल जाने का खतरा बढ़ गया है, जहां आर्थिक गठबंधन आपसी लाभ के बजाय सियासी सनक से निर्धारित होंगे। वैश्विक निमार्ताओं की सबसे बड़ी चिंता एकीकृत आपूर्ति शृंखला में आने वाली बाधा है। जो उद्यमी पहले निर्बाध रूप से सीमा पार व्यापार करते थे, अब उन्हें ऊंची कीमत चुकानी होगी। इसी तरह, अन्य देशों ने भी अगर जैसे-को-तैसा की नीति अपनाई, तो दुनिया भर में व्यापार युद्ध छिड़ सकता है।

बहरहाल, हालात पर भारत की नजर बनी हुई है। कनाडा, मेक्सिको या चीन के विपरीत, हम पर इसका तत्काल असर तो नहीं पड़ने वाला। हालांकि, अमेरिकी व्यापार घाटे में नौवें सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में भारत भी ट्रंप के रडार पर है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और हमारा आपसी कारोबार वित्त वर्ष 2024 में 77.5 अरब डॉलर पर पहुंच चुका है, जबकि 35 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस भारत के पक्ष में है। जिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बदलाव देखने को मिल सकते हैं, वे हैं- कपड़ा (वित्त वर्ष 2024 में 10 अरब डॉलर का कारोबार), इंजीनियरिंग (17.6 अरब डॉलर), इलेक्ट्रॉनिक्स (10 अरब डॉलर) और फार्मास्यूटिकल्स (8.7 अरब डॉलर का कारोबार)। हालांकि, ये बदलाव भी इस पर निर्भर करेंगे कि टैरिफ युद्ध के जवाब में वैश्विक व्यापार क्या रूप लेता है?

वैसे, यह हमारे लिए अवसर भी है। यदि चीन को अमेरिकी बाजार में रोका जाता है, तो उसकी जगह भरने में भारतीय निर्यातक कदम बढ़ा सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक और कपड़ा ऐसे ही उद्योग हैं। सुखद है, वैश्विक तनाव बढ़ने के बावजूद भारत के आम बजट में सीमा शुल्क की औसत दर 11.65 प्रतिशत से घटाकर 10.66 फीसदी कर दी गई है, जिससे विश्व व्यापार में सकारात्मक संदेश गया है। इससे आपसी विश्वास पर आधारित भारत-अमेरिका व्यापारिक रिश्ते के और मजबूत होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा भी द्विपक्षीय संबंध को नया आकार देगी। भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक रिश्तों को देखते हुए, यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि भारत इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर लेगा। हमारा ध्यान मैन्युफैक्चरिंग को विस्तार देने, बुनियादी ढांचों को मजबूत बनाने और वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिर विकल्पों की तलाश कर रहे कारोबारियों के लिए भारत को एक आकर्षक गंतव्य बनाने पर होना चाहिए। बेशक, दुनिया बढ़ते टैरिफ को लेकर चिंतित हो, लेकिन हमें अपने लक्ष्य पर स्थिर रहना चाहिए, जो है- दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनना।

पत्रकार उमेश कुशवाहा को मध्यप्रदेश क्रिएटर अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, जिले कोठी कस्बे से महज 7 किलोमीटर की दूरी पर रहने वाले गुलुवा गांव के निवासी पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कई राष्टीय सम्मानों से सम्मानित पत्रकार उमेश कुशवाहा को एक बार फिर मध्यप्रदेश की सीमेंट नगरी जाने जाने वाली सतना शहर में पत्रकारित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि उक्त कार्यक्रम जुगाड़ू एडवर्टाइजमेंट के द्वारा अयोजित मध्यप्रदेश क्रिएटर अवॉर्ड था। जिसमें इंस्टाग्राम क्रिएटर, यूट्यूब क्रिएटर, फेसबुक क्रिएटर, और पत्रकारित क्षेत्र व इस दौरान विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कई महानीय जानो का सम्मान हुआ है। स्थानीय युवा पत्रकार उमेश कुशवाहा को सम्मानित किया गया, पत्रकार उमेश कुशवाहा को जुगाड़ू एडवर्टाइजमेंट के फाउंडर अमन मिश्रा, विपिन सिंह, दिव्यांश शर्मा

सुमित गुप्ता, के हाथों सम्मानित किया गया है। पत्रकार उमेश कुशवाहा के उपलब्धि पर विंध्य क्षेत्र के पत्रकारों ने साहित्यकारों ने समाजसेवियों ने हर्ष व्यक्त किया है वह शुभकामनाएं बधाई दी है।

कटनी में व्यापारी से मारपीट मामले में तीसरे आरोपी गिरफ्तार

अन्य की तलाश जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी पाल गली में माधव नगर के व्यापारी राकेश मोटवानी के साथ बीते 30 जनवरी को बेरहमी से मारपीट की गई थी इस घटना में शामिल दो आरोपियों की गिरफ्तारी पूर्व में की जा चुकी है जिसमें अरमान द्विवेदी और केतु रजक को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार शर्मा ने बताया कि इस घटना में शामिल एक और आरोपी को पुलिस में गिरफ्तार कियाहै जिसमें सहबाज रबाज खान जो की बैलट घाट का निवासी है जिसके ऊपर निवार चौकी अंतर्गत 5000 का इनाम घोषित किया गया था कोतवाली थाना क्षेत्र में भी इसके ऊपर अपराध पंजीबद्ध हैं जिसे गिरफ्तार किया गया है अन्य आरोपियों की धर पकड़ और तलाश भी की जा रही है जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

एसएसपी ने जनपद के पांच थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्रों में किया फेरबदल

बीनू चौधरी बने देवबंद के नए प्रभारी निरीक्षक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) देवबंद । सहारनपुर, एसएसपी सहारनपुर रोहित सिंह सजवाण ने जनपद के पांच थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्रों में फेरबदल किया है। निरीक्षक बीनू चौधरी को मिर्जापुर से देवबंद, सुनील नागर को देवबंद से शहर कोतवाली प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक धर्मेन्द्र गौतम को शहर कोतवाली से मिर्जापुर थाने की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक ओंकार सिंह को पासपोर्ट सेल से एएचटीयू और उप निरीक्षक संदीप अधाना को एएचटीयू से पासपोर्ट सेल प्रभारी बनाया गया है।

पाँवधोई व ढमोला नदी का होगा जीर्णोद्धार, नदियों के जीर्णोद्धार एवं विकास के बारे में जिलाधिकारी ने किया टीम के साथ मंथन

ढमोला और पांवधोई नदी सहारनपुर की लाइफलाइन – डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के विशेष प्रयासों से राष्टीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा सहारनपुर नगर क्षेत्र में प्रवाहित पाँवधोई व ढमोला नदी के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों के सर्वे के लिए तीन सदस्यीय टीम जनपद में आ चुकी है। यह टीम जनपद में सर्वे कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगी। उन्होंने कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में टीम एवं सम्बन्धित अधिकारियों के साथ नदियों के पुनरुद्धार एवं विकास के लिया मंथन किया। उसके बाद जिलाधिकारी ने टीम के साथ मौके पर जाकर नदियों का भ्रमण भी किया।

डीएम मनीष बंसल ने बताया कि यह टीम दोनों नदियों के सर्वे कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि ढमोला और पांवधोई नदी सहारनपुर की लाइफलाइन है, जो शहर के बीचों बीच से होकर गुजरती है। लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। नालों को गन्दा पानी इसमें आता है और लोग इसमें कूड़ा भी डालते हैं। इसे साफ करने एवं जीर्णोद्धार के लिए नमामि गंगे के तहत एक प्रोजेक्ट लिया गया है। इसके तहत नालों का पानी टैप करके एसटीपी बनाया जा रहा है। जिससे इसके पानी को शुद्ध किया जाएगा। इसके अलावा नदियों में जमी सिल्ट, गार्बेज की सफाई, नदियों के सौंदर्यकरण और रिवर बैंक बनाने के टीम द्वारा सर्वे कर डीपीआर बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ये एक लॉन्ग टर्म प्रोजेक्ट है जिससे भविष्य में जनपद सहारनपुर को बहुत लाभ होगा। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि टीम जनपद प्रवास के दौरान 03 और 04 फरवरी को सर्वे करने के साथ प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगी। जिसके लिए अपर नगर आयुक्त मृत्युंजय, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई निर्माण खण्ड राम बाबू, महाप्रबन्धक जल-कल नगर पुरूषोत्तम, अधिशासी अभियन्ता निर्माण नगर निगम आलोक श्रीवास्तव, परियोजना प्रबन्धक यूनिट 9, कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज उत्तर प्रदेश जल निगम रवि प्रताप सिंह एवं परियोजना प्रबन्धक नमामि गंगे इकाई एसटीपी कैम्पस शाहवली मुजफ्फरनगर संजीत कटियार अधिकारी नामित किए गये है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन दोनों नदियों व सिटी ड्रेनेज प्लान संबंधी व क्षेत्र के मानचित्र व अन्य समस्त स्पष्ट व त्रुटिरहित सूचनाओं सहित सर्वे टीम के साथ सर्वे हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करें ताकि नदियों के जीर्णोद्धार हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके।

यादव संयोजक, शर्मा बने होली उत्सव समिति के सचिव

श्री कृष्ण व्यायाम शाला में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से हुआ समिति का गठन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, नगर में पांच दिनी होली उत्सव धूमधाम से मनाए जाने की परंपरा है। जिसे इस वर्ष भी निभाया जाएगा। आयोजन के लिए मंगलवार को श्री कृष्ण व्यायामशाला द्वारा संचालित सर्व हिन्दू उत्सव समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संयोजक बालकृष्ण यादव व सचिव गौरक्षक धर्मेन्द्र शर्मा को नियुक्त किया गया। आजाद चौक में पांच दिनों तक होली उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। जहां नगरवासी सुबह रंगों से सराबोर होते हैं तो शाम को सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजन की शोभा बढ़ाते हैं। इस वर्ष भी नगर में यह परंपरा निभाई जाएगी और धूमधाम से पांच दिनी होली उत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसके लिए समिति का गठन किया गया जिसमें सर्व सम्मति से होली उत्सव समिति संयोजक बालकृष्ण यादव, सह संयोजक विनोद जैन (गुदी), सचिव गौरक्षक धर्मेंद्र शर्मा व कोषाध्यक्ष महेश गवली (मोनू) को नियुक्त किया गया। बैठक में श्री कृष्ण व्यायामशाला ट्रस्ट अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास, संरक्षक तुलसीराम

भावसार, दिलीप भंवर, दीपक चौहान, महेश प्रजापति, पं. सतोष जोशी, गजेंद्रसिंह सिकरवार, उपाध्यक्ष राजेश पारछे, सीताराम पवैया, किरणसिंह ठाकुर आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने की। मंगलवार को आयोजित बैठक में आगामी सनातन धर्म के उत्सवों को लेकर भी उपस्थित सभी सरंक्षक गण, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सर्वानुमती से सहमती प्रदान की गई। बैठक का संचालन सर्व हिन्दू उत्सव समिति महासचिव मनीष सोनी ने किया। बैठक में नियुक्त किए गए पदाधिकारियों को संजय सोनी, धनराज गवली, महासचिव गोपाल राजपूत, अशोक राठौर, अतुल पालीवाल, आलोक पारछे, सत्या वात्रे, प्रेम यादव, धर्मेन्द्र प्रजापति, विक्रम कुशवाह, अजय चंदेल, कैलाश सेन, अंकित तंवर, रीतिक देवतवाल, हेमंत शितूत, चेतन कुशवाह, अजय भैरवे, चिनेश गवली ने बधाई दी।
प्रेम-सद्भाव से मनाया जाएगा पर्व, कपड़ा फाड़ होली का किया विरोध बैठक के दौरान रंगपंचमी पर्व पर निकलने वाली फागयात्रा को प्रेम व सद्भाव से निकाले जाने का निर्णय लिया गया। समिति सदस्यों ने पर्व के दौरान या फागयात्रा के दौरान एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने, काला रंग लगाने या नशा कर यात्रा में शामिल होने वालों का सभी ने विरोध किया ताकि पर्व के उल्लास में किसी प्रकार का कोई खलल न पड़े। साथ ही इस संबंध में आगामी दिनों में एक बड़ी बैठक का निर्णय भी सभी समिति सदस्यों व उपस्थित नगरवासियों द्वारा लिया गया।

छत्तीसगढ़ में NIA की बड़ी कार्रवाई

नक्सलियों के चार सहयोगी गिरफ्तार, पुलिस पर हमले की थी साजिश

राजीव खरे। सिटी चीफ (छग) रायपुर, छत्तीसगढ़ में नक्सल गतिविधियों के खिलाफ राष्टीय जांच एजेंसी (NIA) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। NIA ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के चार कट्टर सहयोगियों को गिरफ्तार किया है, जो नक्सलियों को विस्फोटक सामग्री और अन्य आपत्तिजनक सामान की आपूर्ति में शामिल थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनीश खान उर्फ अन्नू खान उर्फ अज्जू खान, अनिल कुमार नेताम, जयसिंग हिडको और रघुवीर के रूप में हुई है। ये सभी लंबे समय से नक्सली संगठन के सदस्यों को शरण देने और सहायता प्रदान करने में शामिल थे। NIA के अनुसार,

इन आरोपियों ने नक्सलियों को विस्फोटक और डेटोनेटर सहित आपत्तिजनक सामग्री मुहैया कराई थी। उनका उद्देश्य कांकेर जिले के मुजालगोंडी गांव के पास पुलिस टीम पर हमला करना था। इसके साथ ही, राज्य में चुनाव बहिष्कार के आह्वान के लिए एक बैठक की योजना भी बनाई गई थी। NIA ने इससे पहले भी छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के सहयोगियों के खिलाफ कई कार्रवाइयाँ की हैं। हाल ही में, गरियाबंद जिले में दो ओवरग्राउंड नक्सली सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था, और नक्सलियों द्वारा लगाए गए IED को सफलतापूर्वक नष्ट किया गया था। इसके अलावा, बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र में NIA ने छापा मारकर एक महिला समेत दो नक्सल सहयोगियों को हिरासत में लिया था, जिनके पास से सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए थे। नारायणपुर जिले में भी NIA ने मार्ग बाधित करने वाले कुल 35 नक्सलियों और उनके शहरी नेटवर्क के खिलाफ नामजद FIR दर्ज की थी, जिसमें से 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। NIA की इन कार्रवाइयों से स्पष्ट होता है कि एजेंसी नक्सलियों के शहरी नेटवर्क और उनके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। इन गिरफ्तारियों से नक्सलियों की आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने में मदद मिलेगी, जिससे राज्य में नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण पाने में सहायता मिलेगी।

नारायणपुर सायबर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत चलाया जा रहा है अभियान अर्पण

गुम हुये मोबाईल ढूँढ कर लोगों को लौटाये गए।

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ (छग) नारायणपुर, नारायणपुर पुलिस द्वारा एक ओर नक्सल अभियानो में अभुतपूर्व सफलता प्राप्त की जा रही है, वही दूसरी ओर सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में भी साईबर अभियान ''अर्पण'' संचालित कर गुम मोबाईल वापसी का कार्य भी किया जा रहा है। गौ़रतलब है कि नारायणपुर जिलें में सायबर सेल एवं थानों में लोगों के मोबाईल गुमने एवं सायबर फ्राड के संबंध में सूचना एवं आवेदन पत्र प्राप्त हो रहे हैं, जिस पर विशेष रूचि लेकर उप पुलिस अधीक्षक डॉ0 प्रशांत देवांगन एवं नोडल अधिकारी सायबर सेल के पर्यवेक्षण में गुम मोबाईल की खोजबीन कर वापसी के लिए सामुदायिक पुलिसिंग के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत सायबर सेल नारायणपुर द्वारा 05 लाख 42 हजार से अधिक के 36 नग मोबाईल अलग-अलग जगहों से बरामद किये गये हैं। बरामद शुदा मोबाईल पुलिस अधीक्षक कार्यालय नारायणपुर में संबंधित मोबाइल धारकों को बुलाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रोबिनसन गुड़िया, सुशील कुमार नायक एवं डॉ0 प्रशांत देवांगन द्वारा संबंधित मोबाईल स्वामियों को विधिवत सुपुर्दनामे पर दिये गए।

सायबर सेल नारायणपुर पुलिस द्वारा संचालित इस विशेंष अभियान ''अर्पण'' मे निरीक्षक विनीत दुबे, सहायक उप निरीक्षक राजकुमार शोरी, आरक्षक संदीप चौहान, जयलाल पोटाई, कमलेश साहू, आशीष ध्रुव, सुमित नाग, उमेर सिंह इत्यादि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नारायणपुर पुलिस ने जनता से अपील है कि

1. मोबाईल गुम होने की स्थिति में तत्काल www.ceir.gov.in पोर्टल पर गुम होने के संबंध जानकारी भेजे और नजदीकी थाने या सायबर सेल से संपर्क करें। अपने मोबाईल का पासवर्ड हमेशा प्रोटेक्टेड रखें।
2. बैंकिग सायबर फ्राड होने या धोखाधडी से खाते से पैसे निकाले जाने की स्थिति मे तत्काल 1930 टोलफ्री नं0 पर कॉल करके पूरी जानकारी दे या National Cyber Crime Reporting Portal https://www.cyber-crime.gov.in पर 24 घंटे के अंदर शिकायत दर्ज करें।

25,000/- रुपये के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

खरगोन

थाना बलकवाड़ा व थाना कसरावद ने संयुक्त कार्यवाही कर आरोपीयों को किया गिरफ्तार

मंगलवार को थाना बलकवाड़ा पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, थाना क्षेत्र कसरावद व थाना बलकवाडा मे वर्ष 2023 से चोरी के प्रकरण मे फरार चल रहे आरोपी विक्रम पिता फूलसिंह, सादडबन, , रामसिंह पिता नाना जी ओसवाल सादडबन , सुरेश पिता बालसिंह मेवाडे सादडबन चुनिया उर्फ चुन्नीलाल पिता सरदार सादडबन , कैलाश पिता रामा परमार सादडबन, सभी अपने अपने घर शादी समारोह में शामिल होने के लिए आये हुए है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करवाया गया जिनके निर्देशन मे थाना बलकवाडा, थाना कसरावद,चौकी खलटका एवं चौकी खामखेड़ा के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए ग्राम सादडबन मे घेराबंदी कर दबिश दी व 9 प्रकरणों मे फरार कुल 25,000/- रुपये के इनामी आरोपीयो को गिरफ्तार किया गया है जिसे न्यायालय पेश किया जा रहा है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरुण देव गौतम बने राज्य के नये पुलिस महानिदेशक

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग)

रायपुर, छत्तीसगढ़ सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरुण देव गौतम को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया है। गृह विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल 3 फरवरी को समाप्त हो गया था, जिसके बाद से ही नए डीजीपी की नियुक्ति की प्रतीक्षा की जा रही थी। नए डीजीपी की नियुक्ति के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पवन देव, हिमांशु गुप्ता और अरुण देव गौतम के नामों पर चर्चा चल रही थी अंततः, अरुण देव गौतम को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया गया। अरुण देव गौतम का जन्म 2 जुलाई 1967 को उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के अभयपुर गांव में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में पूरी की और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय कानून में एम.फिल. की उपाधि प्राप्त की। उच्च शिक्षा के उपरांत, उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की और 12 अक्टूबर 1992 को भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुए। प्रारंभ में उन्हें मध्य प्रदेश कैडर आवंटित किया गया था। प्रशिक्षण के बाद, अरुण देव गौतम की पहली नियुक्ति जबलपुर में हुई, जहां उन्होंने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी के रूप में कार्य किया। इसके बाद, वे बिलासपुर जिले में सीएसपी के पद पर कार्यरत रहे। एसपी के रूप में उनकी पहली पोस्टिंग मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई। साल 2000 में छत्तीसगढ़ के गठन के बाद, उन्होंने छत्तीसगढ़ कैडर का चयन किया और कोरिया, रायगढ़, जशपुर, राजनांदगांव, सरगुजा और बिलासपुर जैसे जिलों में एसपी के रूप में सेवाएं दीं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पुलिस मुख्यालय, सीआईडी, वित्त और योजना, प्रशासन और मुख्यमंत्री सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभागों में भी कार्य किया। अरुण देव गौतम को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। साल 2002 में, उन्हें संघर्षग्रस्त कोसोवा में सेवा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 2010 में उन्हें भारतीय पुलिस पदक और 2018 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किया गया। झीरम घाटी नक्सली हमले के बाद, जिसमें कई कांग्रेस नेताओं की मृत्यु हुई थी, अरुण देव गौतम को बस्तर क्षेत्र का आईजी नियुक्त किया गया। इस चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अरुण देव गौतम की नियुक्ति से राज्य में कानून व्यवस्था एवं राज्य के सुरक्षा तंत्र के और बेहतर होने की उम्मीद है, और आशा है कि उनके व्यापक अनुभव और प्रशासनिक कौशल से छत्तीसगढ़ पुलिस को नई दिशा मिलेगी।

दरगाह-ए-हकीमी मे आयोजित हुआ निशुल्क नेत्र शिविर महाराष्ट्र से आये डॉक्टर करेंगे निशुल्क ऑपरेशन

बुरहानपुर

बुरहानपुर में दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के निर्देश पर दरगाह-ए-हाकिमी में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। विजन प्लस फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 750 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 160 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिह्नित किया गया। शिविर की शुरुआत समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थिति में हुआ, जिनमें शहर अमिल साहब शेख हैदर भाई राजोद वाला और दरगाह के मैनेजर शेख शब्बीर भाई मेड्डा वाला प्रमुख थे। मुंबई से आए डॉ. सुमित लहाने ने दरगाह-ए-हकीमी द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की, जिसमें 250 लोगों के भोजन और तीन दिनों के आवास की निशुल्क व्यवस्था शामिल है।

फेंको पद्धति से मोतियाबिंद का ऑपरेशन करेंगे चयनित मरीजों का ऑपरेशन 5 और 6 फरवरी को श्यामा प्रसाद नेत्र चिकित्सालय बुरहानपुर में किया जाएगा। मुंबई और नागपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सक फेंको पद्धति से मोतियाबिंद का ऑपरेशन करेंगे। समाज के धर्मगुरु का संदेश भी इस अवसर पर साझा किया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद करना चाहिए।

नर्मदा जयंती की धूम, घाटों पर जगह-जगह भक्तों का सैलाब, शाम को हुई महाआरती

नर्मदा में लगाई आस्था की डुबकी

खरगोन हर साल मां नर्मदा का जन्मोत्सव बड़ी ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है नर्मदा जयंती के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग कसरावद के नावड़ातोड़ी, शालीवाहन, माकड़खेड़ा, खलबुजुर्ग,तेलीभट्याण, ढाल खेड़ा, के अलग-अलग घाटों पर पहुंचे। और पवित्र नर्मदा में स्नान कर पूण्य लाभ लिया। लोगों की गहरी आस्था मां नर्मदा से जुड़ी हुई है कहा जाता है कि गंगा नदी में स्नान करने से और मां नर्मदा के दर्शन मात्र से सारे पाप कट जाते हैं नर्मदा जयंती को लेकर ग्राम नावड़ातोड़ी, शालीवाहन घाट को रंग बिरंगी रोशनी से मनमोहक रूप से सजाया गया है। नर्मदा तट पर त्वदीय पाद पंकजम नमामि देवी नर्मदे के मंत्रोच्चार से पूरा माहौल भक्तिमय नजर आया। वही प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नावड़ातोड़ी, शालिवाहन, माकड़खेड़ा, बोथु , ढालखेड़ा में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारो की संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की । नर्मदा भक्तों ने मां नर्मदा को 1100 मिटर चुनरी अर्पण की। क्षेत्र के सभी घाटों पर महा आरती और दीपदान का विशेष आयोजन हुआ। एवं शाम को नर्मदा घाटो पर भजन कीर्तन किए गए । यहां दूर-दूर से आए श्रद्धालु नर्मदा तट पर पूजा - अर्चन में लीन थे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

नवनियुक्त अनुविभागी अधिकारी का रोटरी क्लब अपना ने किया स्वागत

झाबुआ

नव नियुक्त अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती रितिका पाटीदार का रोटरी क्लब अपना के पदाधिकारी ने मोतियों की माला पहनकर स्वागत किया एवं नव नियुक्ति पर रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष महेंद्र सिंह सोलंकी ने शुभकामना देते हुए कहा कि आप मेघनगर में रहते हुए सामाजिक समरसता के साथ कार्य करें इन्हीं शुभकामनाओं के आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं रोटरी क्लब अपना के भारत मिस्त्री ने रोटरी क्लब अपना द्वारा संचालित किए जाने वाले सेवा कार्य एवं स्थाई प्रकल्प की जानकारी देते हुए बताया कि रोटरी 24म7 सेवा के लिए तत्पर रहते हैं श्रीमती पाटीदार ने भी सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सब मिलकर नगर मे सर्व हितार्थ सेवा कार्य करेंगे एवं रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों में कहीं पर प्रशासनिक मदद की आवश्यकता पड़ी तो हम हमेशा तत्पर रहेंगे इस अवसर पर उपस्थित मांगीलाल नायक डॉक्टर किशोर नायक श्रीमती माया शर्मा श्रीमती कुसुम सोलंकी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन जिला शाखा धार द्वारा मां वाग्देवी पूजन, स्वस्ति वाचन एवं विप्रजनों का सम्मान किया

धार

धार - मध्यप्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड जिला शाखा धार द्वारा सोमवार को माँ वाग्देवी पूजन, सरस्वती जन्मोत्सव एवं बसंतोत्सव पर होटल रूद्राक्ष पर स्वस्तिवाचन के साथ माँ सरस्वती का पूजन - अर्चन किया गया । आयोजन में धार नगर के वरिष्ठ एवं विद्वान विप्रजनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ को सम्मानित किया गया । सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम जी और माँ वाग्देवी के चित्रों पर पूजन कर दीप प्रज्वलित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सत्येन्द्र जोशी (दाजी) , अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती तथा विशेष अतिथि के रूप में हास्य कवि श्री संदीप शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती ममता जोशी, परशुराम कल्याण बोर्ड जिला प्रभारी पंडित अशोक मनोहर जोशी मंचासीन थे। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सत्येंद्र जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज में संस्कारों को सहजना होगा, संस्कारों के समाप्त होने से समाज पतन की ओर जा रहा हैं। परिवार टूट रहे हैं और विवाह के बाद के संबंध भी टूट रहे हैं। सभी विप्र जनों और वरिष्ठों की जवाबदारी है कि वह आने वाली पीढ़ी में संस्कार के बीज रोपे। अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने कहा कि विश्व कल्याण की कामना करने वाला ब्राह्मण ही होता है, ब्राह्मण समाज में एकात्मभाव का जागरण होना चाहिए। परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला प्रभारी अशोक जोशी और पूरी टीम को उन्होंने शुभकामनाएं प्रदान की। विशेष अतिथि राष्ट्रीय कवि पंडित संदीप शर्मा ने माँ वाग्देवी और सरस्वती की उत्पत्ति की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण शरीर के कंधे से ऊपर का भाग है, जिसमें सारी इंद्रिय निहित है। ब्राह्मण सर्वोच्च सम्मान धारी है। सामाजिक कार्यकर्ता और भोजशाला के याचिका कर्ता ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म की रक्षा में ब्राह्मण समाज का महत्वपूर्ण और अतुलनीय योगदान है। स्वागत भाषण में जिला प्रभारी पं . अशोक मनोहर जोशी ने परशुराम कल्याण बोर्ड के गठन के मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहां की परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन बोर्ड के माध्यम से हर विप्र बंधु के घर में तथा हर हिंदू सनातनी के घर में घर-घर गीता का पाठ होना चाहिए बच्चों में अच्छे संस्कार होना चाहिए एवं विप्र समाज जो अभी तक शासन के हाशिए पर नहीं था मध्य प्रदेश शासन ने उस हेतु परशुराम कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है इसके लिए मध्य प्रदेश शासन के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने विप्र समाज के लिए सोचा परशुराम कल्याण बोर्ड में महती भूमिका निभाने वाले सभी साथियों का भी आभार जताते हुए बताया कि कल्याण बोर्ड के गठन हेतु पंडित विष्णु राजोरिया जी ,पंडित आशीष जनक का सराहनीय योगदान रहा है जिनके अथक प्रयास से उक्त बोर्ड का गठन संभव हो पाया है और शासन के द्वारा दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं का लाभ विप्र समाज के लोगों को प्राप्त होगा । मध्यप्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड प्रदेश अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया एवं पंडित आशीष जनक का भी आभार प्रकट किया जिन्होंने धार जिले के लिए जिला प्रभारी के रूप में यह जिम्मेदारी मुझे सोपी। उक्त आयोजन में धार शहर के भागवत कथा प्रवक्ता श्री तन्नू महाराज, पं गोपाल शर्मा, व्यापी ब्राह्मण एकता मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष, अल्पना जोशी आदि विभूतियों को विप्र गौरव सम्मान से, अतिथियों द्वारा शाल,श्रीफल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्वानों ने अपने कर्म-क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य द्वारा धार नगर को गौरवान्वित किया हैं । समारोह के अंत में सभी ने भोजशाला की मुक्ति और माँ वाग्देवी को लंदन से लाकर भोजशाला में स्थापित करने हेतु संकल्प भी लिया। परशुराम कल्याण बोर्ड के उक्त कार्यक्रम को आयोजित करने में विशेष कर धार ब्राह्मण समाज के पंडित प्रेम रावत पंडित अश्विन जोशी पंडित मनोज शर्मा पंडित भगवती जोशी भाजपा मीडिया प्रभारी पं संजय शर्मा पंडित राजीव पुराणिक पंडित मनीष दुबे पं विकास शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पं प्रेम रावल ने किया व आभार सर्व ब्राह्मण समाज के सचिव पं प्रवीण शर्मा ने माना।

हॉस्पिटल को मिली डायलिसिस मशीन ओर

उज्जैन

खाचरोद लम्बे इंतजार के बाद नगर के शासकीय चिकित्सालय स्थित डायलिसिस मशीन व जनरेटर सेट का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक डॉ तेज बहादुर सिंह चौहान की उपस्थिति में ग्रासिम इंडस्ट्रीज नागदा के उपाध्यक्ष सुधीर सिंह व भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा किया गया ! चिकित्सालय परिसर में आयोजित सादे समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुरेश छाजेड़ ने की। कार्यक्रम को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अनोखीलाल भण्डारी, पूर्व विधायक लालसिंह राणावत, पूर्व नपाध्यक्ष विजय सेठी, रमेश नन्देडा, गीता बाई आलोलिया , मण्डल अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पंवार, नगरपालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा ने सम्बोधित किया । अपने उद्बोधन में विधायक ने डायलिसिस मशीन शुभारंभ की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि शीघ्र ही विधायक निधि से चिकित्सालय को एक एम्बुलेंस प्राप्त होने वाली हैं खाचरोद के विकास के लिए जो भी संभव होगा वह सबकुछ किया जाएगा उसमें कोई कसर बाकी नहीं रहेगी । कार्यक्रम का संचालन निशित सिसौदिया ने किया व आभार विनोद चतुर्वेदी ने माना । कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों का स्वागत चिकित्सालय के डॉ कौशल व डॉ कंडारिया द्वारा किया गया इस अवसर पर डायलिसिस मरीजों के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित थे ।

आकांक्षी विकासखण्ड के कार्यों का जायजा

विदिशा

नीति आयोग द्वारा विदिशा जिले के बासौदा विकासखण्ड को देश के आकांक्षी विकासखण्डो की सूची में शामिल किया गया है। नीति आयोग के निर्धारित पैरामीटरो के अनुसार कार्यो के क्रियान्वयन हेतु विभिन्न विभागो के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को जबावदेंही सौंपी गई है।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने मंगलवार को खण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आकांक्षी विकासखण्ड के लिए निर्धारित पैरामीटर (केपीआई) के तहत संपादित कार्यो की समीक्षा की है। उन्होंने संबंधित विभागो के खण्ड स्तरीय अधिकारियों से कहा है कि समय सीमा में कार्यो का क्रियान्वयन करें ताकि बासौदा विकासखण्ड आकांक्षी विकासखण्डो की सूची में पिछड ना पाए। उन्होंने विभिन्न विभागो के कार्यो के क्रियान्वयन हेतु गैर अशासकीय संगठनो के माध्यम से किए जा रहे कार्यो की भी मानिटरिंग की। उन्होंने कहा कि निर्धारित पैटर्न के साथ-साथ नवाचारो के माध्यम से हम लक्ष्यों की प्राप्ति समयावधि से पहले सुनिश्चित करें।

बासौदा जनपद पंचायत के सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में जनपद सीईओ श्री भगवान सिंह के अलावा विभिन्न विभागो के खण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

जनसुनवाई में पूर्व में दिए गए आवेदनों की छाया प्रति संलगन

सड़क निर्माण हेतु आवेदन

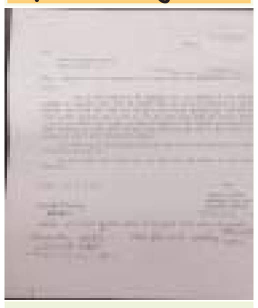

शाजापुर शांतिकुंज नगर ग्राम मुलीखेड़ा के रहवासियो द्वारा आज जिला जनसुनवाई में सड़क निर्माण हेतु एक आवेदन दिया गया। सड़क कच्ची तथा काफी खराब स्थिति में उक्त मार्ग पर चलना बेहद मुश्किल है, यहां पर किचड़ एवं जंगली जीव जंतु की वजह से किसानों एवं ग्राम वासियों तथा बच्चों को स्कूल जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है शांतिकुंज नगर के निवासी श्री बृजकिशोर खंडेलवाल, अभिजीत दुबे, शिवम खंडेलवाल ,नंदनी दुबे, कैलाश राठौड़, विद्या खंडेलवाल ,रेणु दुबे आदि द्वार जिला प्रशासन से उक्त सड़क निर्माण हेतु निवेदन किया गया है।

बहुत ही दर्दनाक हादसा विद्युत पोल पर चढ़ा किसान झुलसा हृदयविदारक मृत्यु हुई

बिजली विभाग के कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं जाने से हुआ हादसा

बिजली दुर्घटना में मृत्यु होने पर किसान को मुआवजा मिलना चाहिए

अलीराजपुर अलीराजपुर जिले की जोबट तहसील क्षेत्र के ग्राम कंदा के एक फलिये में एक किसान की बिजली की बड़ी लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। कम वोल्टेज की समस्या के कारण आए दिन हादसों का डर बना ही रहता है गांव में प्राचीन समय से यह परंपरा रही है कि वहां पर बिजली विभाग से लाइनमैन वायर जलने पर पहुंच नहीं पाते हैं और नहीं पहले किसी किसान के पास लाइन मेन से मोबाइल से संपर्क करने के साधन थे वह खुद ही तार जोड़ने का काम यहां का किसान बरसों से कर रहा है । यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार दशम उर्फ नानकिया पिता इडला निवासी कंदा कथोया फलिया अपनी बिजली लाइन को ऊंची करने के लिए खंभे पर चढ़ा था, तभी उसकी चपेट में आकर मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार रास्ते से ट्रक, बस सहित अन्य बड़े वाहन निकलते थे तो उसे तार टूटने का डर बना रहता था। वह सोमवार को ही इंदौर जाकर नए तार लेकर आया था। चूंकि गांव में नई बड़ी लाइन डली थी इसलिए उसे लगा कि लाइन बंद होगी, लेकिन जैसे ही वह पोल पर तार जोड़ने चढ़ा करंट लगने से पोल पर ही मौत हो गई।

बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह घटना घटी है अगर समय पर किसान को सर्विस मिल जाती, सहायता मिल जाती तो वह बिजली के पोल पर लाइन जोड़ने के लिए चढ़ता ही नहीं आज गांव में किसानों की हर जगह यही हालत है कि उसे बिजली कंपनी से सर्विस के अभाव में आधे से अधिक कार्य खुद ही करना पड़ते हैं पानी नहीं देने पर फसल मर जाती इसी चिंता के कारण किसान आए दिन ग्रामीण क्षेत्रों में रिस्क लेकर, जान को हथेली पर रखकर ऐसे कार्य करता है अत: शासन की योजना अनुसार किसान को मुआवजा मिलना चाहिए बिजली दुर्घटना में मृत्यु होने पर अब मिलेगा मुआवजा, ष्ठश्वक्रष्ट विनियम 2024 जारी

बिजली दुर्घटना के कारण अगर मौत हो जाती है तो अब आश्रित को 7.5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। जो 60 फीसदी दिव्यांग होंगे उन्हें पांच लाख मिलेगा। इसके अलावा दुधारू पशुओं और पक्षियों की मौत होने पर मुआवजा दिया जाएगा। भैंस गाय ऊंट के लिए 50 हजार रुपये मिलेगा। जबकि घोड़े और बैल आदिस पर 25 हजार रुपये। बिजली हादसे में अगर किसी भी तरह से मौत होती है तो मुआवजा तय है। हादसे में जान जाने पर अब पांच लाख की जगह सात लाख रुपये मुआवजा मिलेगा। मुआवजे को लेकर शासन ने यह राशि बढ़ाई है। नए नियम के तहत अगर कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से बिजली की चपेट में आता है या फिर उसकी किसी तरह से मौत हो जाती है तो मुआवजे की राशि बिजली निगम देगा।

बिजली से हुए हादसे में मुआवजे को लेकर कई तरह के पेंच फंस जाते थे। इसकी वजह से दुर्घटना में घायल लोगों और उनके परिजनों को मुआवजे की राशि के लिए दौड़ना पड़ता था। कई बार परिजनों को मुआवजे की राशि नहीं मिल पाती थी। इसी तरह का मामला सहजनवा थाना क्षेत्र के हरपुर बुदहट इलाके में ट्रांसफॉर्मर की चपेट में आने से युवक की मौत मामले में भी हुई थी। परिजनों को मुआवजे के लिए करीब सात से आठ माह तक चक्कर लगाना पड़ा था। मामले में निगम के अधिकारियों ने युवक को मानसिक रूप से बीमार बताते हुए आत्महत्या करार दे दिया था।

जनजातीय गौरव गाथा, व्याख्यान और प्रदर्शनी का आयोजन

उज्जैन

शासकीय विक्रम महाविद्यालय खाचरौद में जनजातीय गौरव दिवस के पखवाड़ा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में जनजातीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं जनजातीय गौरव गाथा पर व्याख्यान तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । महाविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में जनजातीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, जनजातीय गौरव पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अमित जी सेठी ने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय जननायकों के योगदान का उल्लेख करते हुए उपस्थित विद्यार्थियों को उनके इतिहास को पढ़ने का ध्यान केंद्रित किया एवं व्याख्यान के लिए विषय विशेषज्ञ डॉ. बी. एस. किराडे शासकीय भगतसिंह महाविद्यालय जावरा ने ऑडियो वीडियो के माध्यम से विशेष योगदान देने वाले जनजातीय क्रांतिकारियों के बारे में विस्तृत से बताया। उन्होंने विशेष कर
टंटीया मामा, भीमा नायक, बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में विस्तृत से अपना व्याख्यान दिया। प्राचार्य डॉ. लीला बामनिया ने जनजातीय गौरव कार्यक्रम में जनजातीय जननायकों के विशेष योगदान के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। साथ ही महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बी. एल. पांडे डॉ. नलिनी पाटोलिया डॉ. योगेश शुक्ला, डॉ. मनीष मौर्य, डॉ. आशीष गुप्ता एवं अन्य प्राध्यापक एवं महाविद्यालय कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगेश कुमार शुक्ला ने किया और आभार डॉ. एम.एस.निगवाल ने माना ।

बड़वानी पुलिस की त्वरित कार्रवाई - 6 घंटे में अपहृत को महाराष्ट्र से सुरक्षित छुड़ाया

4 आरोपी गिरफ्तार,सीसीटीवी फुटेज व साइबर सेल की तकनीकी सहायता से पुलिस ने आरोपियों को महाराष्ट्र के रावेर से पकड़ा,एसपी पहुंचे थाना निवाली, पीड़िता से घटना की जानकारी ली

बड़वानी जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर के नेतृत्व में सतत व प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम मे थाना निवाली पुलिस ने 6 घंटे के भीतर अपहरण की गुत्थी सुलझाते हुए अपहृत व्यक्ति को महाराष्ट्र के रावेर से सकुशल मुक्त कराया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया दिनांक 03 फरवरी 2025 को फरियादिया नीनीबाई पति दिलीप गुजरे (उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम खड़ीखाम, रेवसिंह फल्या) ने थाना निवाली पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने पति दिलीप पिता गंगाराम गुजरे (उम्र 35 वर्ष) और अपने दो बच्चों के साथ मोटरसाइकिल से अपने मायके फुलज्वारी जा रही थी। शाम लगभग 06:30 बजे, जब वे निवाली के निलीयर घाट के पास पहुंचे, तब एक लाल रंग की कार में सवार 3-4 अज्ञात व्यक्तियों ने रास्ता रोककर दिलीप का जबरन अपहरण कर लिया और कार में बैठाकर ले गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना निवाली में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अप.क्र. 37/24 धारा 126(2), 140(3), 3(5) बी.एन.एस. के तहत प्रकरण दर्ज कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल पाटीदार, एसडीओपी राजपुर आयुष कुमार अलावा, डीएसपी अजाक जितेंद्र भास्कर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निवाली उपनिरीक्षक रामकृष्ण लौवंशी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।जिसने थाना क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और साइबर सेल की तकनीकी सहायता से संदिग्ध लाल रंग की कार की पहचान की गई।कार को सेंधवा की ओर जाते हुए ट्रेस किया गया, जिसके बाद सेंधवा शहर, सेंधवा ग्रामीण, पानसेमल और खरगोन जिले के चैनपुर थाना प्रभारी को सूचना देकर नाकाबंदी करवाई गई।जामली टोल नाका से कार के गुजरने की पुष्टि होने पर महाराष्ट्र के जलगांव जिले के भैजपुर थाना पुलिस को अलर्ट किया गया।लगातार पीछा करते हुए पुलिस टीम ने मात्र 6 घंटे में अपहृत व्यक्ति को महाराष्ट्र के रावेर से सुरक्षित छुड़ा लिया और चारों आरोपियों सुजित पिता तुलसीराम काले (उम्र 32 वर्ष, निवासी पलसदेव, थाना इंदापुर, जिला पुणे, महाराष्ट्र),अनिकेत पिता सुरेश काले (उम्र 30 वर्ष, निवासी पलसदेव, थाना इंदापुर, जिला पुणे, महाराष्ट्र),महेश पिता बालासो मगर (उम्र 32 वर्ष, निवासी रणगांव, थाना वालचंद नगर, जिला पुणे, महाराष्ट्र) ,अविनाश पिता अरुण नलवडे (उम्र 31 वर्ष, निवासी सिससटवाड़ी, थाना वालचंद नगर, जिला पुणे, महाराष्ट्र)को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी मराठा वर्ग से हैं, जबकि फरियादिया अनुसूचित जनजाति (स्ञ्) से संबंधित है। इस कारण प्रकरण में अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(व्ही-ए) जोड़ी गई है। इस महत्वपूर्ण अभियान में थाना निवाली, सेंधवा शहर, सेंधवा ग्रामीण, पानसेमल, खरगोन (चैनपुर) पुलिस व साइबर सेल बड़वानी की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्य किया।थाना प्रभारी निवाली उपनिरीक्षक रामकृष्ण लौवंशी,निरीक्षक बलजीत सिंह बिसेन (सेंधवा शहर),निरीक्षक मंशराम बेगन(पानसेमल),साइबर प्रभारी उपनिरीक्षक रितेश खत्री व साइबर टीम, जलगांव (महाराष्ट्र) पुलिस थाना रावेर व थाना सावदा की टीमों का भी विशेष योगदान रहा। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर स्वयं थाना निवाली पहुंचे और पीड़िता व उसके परिजनों से घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि बड़वानी पुलिस नागरिकों की सुरक्षा हेतु पूरी तरह तत्पर है और अपराधियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

सारोला गांव में नंदी की हत्या के विरोध में निकली विशाल बाइक रैली जिला प्रशासन तक पहुंची

बुरहानपुर - सारोला गांव मे नंदी शंभू की हत्या के विरोध में सकल हिंदू समाज ने मंगलवार को विशाल बाइक रैली निकाल कर प्रदर्शन किया सारोला गांव से शुरू हुई यह विशाल बाइक रैली कलेक्टर कार्यालय तक पहुंची जहां ग्रामीण, सकल हिंदू समाज के लोगों ने एडीएम वीर सिंह चौहान को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा इस दौरान एसडीएम पल्लवी पौराणिक, सीएसपी गौरव पाटिल सहित काफी संख्या में पुलिस बल तैनात था ज्ञापन में कहा गया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया है पुलिस ने अब तक इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है लेकिन घटना में करीब 20 से 25 लोगों के शामिल होने के आशंका जताई गई है लोगों ने सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है साथ ही उनके मकानों को तोड़ने और उन पर रासुका लगाने की मांग की है एडीएम वीर सिंह चौहान ने आश्वासन दिया कि पहले से पकड़े गए आरोपियों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई है और यदि अन्य लोग भी इस घटना में शामिल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी प्रदर्शन में भाजपा नेता गजेंद्र पाटील, सुनील वाघे, के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण और हिंदू संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे बता दे की सारोला गांव का नंदी 8 दिन पहले लापता हो गया था नंदी के लापता होने के बाद नंदी के अवशेष मिले थे इसके विरोध में ग्रामीणों ने दुकानें बंद कर थाने का घेराव किया था इस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया था

मप्र की कैबिनेट बैठक- इंदौर की हुकुमचंद मिल की जमीन पर बनेगा शॉपिंग-रेसीडेंशियल कॉम्प्लेक्स, पीएम आवास योजना 2.0 को मंजूरी

झुग्गीमुक्त होंगे मप्र के शहर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें प्रदेश की सेमी कंडक्टर और ड्रोन नीति को मंजूरी दी गई। साथ ही इंदौर की हुकुमचंद मिल पर शॉपिंग-रेसीडेंशियल कॉम्प्लेक्स और पीएम आवास 2.0 के तहत 10 लाख आवास निर्माण की स्वीकृति दी गई। इससे मप्र के शहरों को झुग्गीमुक्त करना संभव हो सकेगा। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट की बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने जापान दौरे के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि भोपाल में 24-25 फरवरी को प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का जापान भी पार्टनर है। जापान ने भोपाल-इंदौर के बीच मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी, स्मार्ट सिटी, शहरी विकास प्लानिंग पर सहयोग करने में सहमति दी है। इसके लिए एक विशेष चैनल स्थापित करने, हाईस्पीड ट्रेन कॉरिडोर, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर जापान ने सहयोग करने की बात कही है। विजयवर्गीय ने बताया कि जापान कपास से कपड़ा और कपड़े से रेडीमेड गारमेंट बनाने, उज्जैन मेडिकल पार्क में यूनिट लगाने और ईवी निर्माण में भी राज्य को सहयोग प्रदान करेगा। इसके लिए एक कनेक्टिंग कार्यालय भी स्थापित किया जाएगा।

बनेंगे 10 लाख प्रधानमंत्री शहरी आवास शहरों को झुग्गीमुक्त करने की दिशा में राज्?य सरकार ने कदम बढ़ा दिया है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में हितग्राहियों को आगामी पांच वर्ष में 10 लाख आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को स्वीकृति दे दी। इसमें केंद्र और राज्य सरकार मिलकर 50 हजार करोड़ रुपये निवेश करेंगी, जिससे न केवल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी बल्कि रोजगार के अवसर भी बनेंगे।

पीपीपी मॉडल पर मिलेंगे घर निजी डेवलपर से हितग्राही यदि आवास खरीदता है तो अनुदान का बाउचर दिया जाएगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित अन्य बड़े शहरों को मलिन बस्ती मुक्त करने की दिशा में पीपीपी मॉडल पर आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

नगरीय निकाय, राज्य की अन्य निर्माण एजेंसी के साथ निजी बिल्डर आवास बनाकर देंगे। इसके साथ ही कामकाजी महिला, औद्योगिक श्रमिक, शहरी प्रवासी, बेघर, निराश्रित, छात्रों सहित अन्य पात्र हितग्राहियों के लिए किराए पर आवास बनाकर उपलब्ध किए जाएंगे। स्वयं की भूमि पर आवास निर्माण के लिए ढाई लाख रुपये का जो अनुदान दिया जा रहा है, वह जारी रखा जाएगा।

बिल्डरों की खास श्रेणी बनाई जाएगी बिल्डरों की एक खास श्रेणी बनाई जाएगी। इसमें वे बिल्डर शामिल किए जांएगे, जिनकी योजना को रेरा से अनुमति होगी और रिकार्ड अच्छा होगा। केंद्र सरकार ने योजना में अविवाहित कमाऊ वयस्क सदस्यों को अलग से लाभ दिए जाने का प्रावधान समाप्त कर दिया है। एक हितग्राही परिवार में अब पति, पत्नी, अविवाहित बेटा-बेटियां शामिल होंगे। 20 वर्ष में किसी भी आवासीय योजना में लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र होंगे।

झ्रहुकुमचंद मिल पर निर्माण में हरियाली पर होगा ज्यादा फोकस हुकुमचंद मिल की जमीन पर वर्ल्ड क्लास बिल्डिंग्स का निर्माण होगा

कैबिनेट बैठक में इंदौर की हुकुमचंद मिल की जमीन इंदौर नगर निगम से लेकर हाउसिंग बोर्ड को देने का फैसला हुआ है। 17.52 हेक्टेयर जमीन पर कमर्शियल, रेसीडेंशियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार त्रिपक्षीय समझौते के आधार पर काम करेगी। यहां पर हरियाली पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। इस मिल की 450 करोड़ रुपए की देनदारी सरकार दे चुकी है इस प्रोजेक्ट पर करीब 4500 करोड़ का निवेश होगा और 10 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

मप्र की कई योजनाओं में जापान करेगा सहयोग इंदौर-भोपाल के बीच मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी, स्मार्ट सिटी, शहरी विकास प्लानिंग पर जापान ने सहमति दी है। साथ विशेष चैनल स्थापित करने, हाईस्पीड ट्रेन कॉरिडोर, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर जापान सहयोग करेगा। कपास से कपड़ा और उससे रेडीमेड गारमेंट बनाने में भी जापान सहयोगी बनेगा। उज्जैन मेडिकल पार्क में यूनिट लगाने, ईवी मैन्युफैक्चरिंग में भी जापान ने सहमति दी है। नई उत्पादन लाइन में भी सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

मप्र ड्रोन नीति को सरकार ने दी मंजूरी मोहन यादव सरकार ने प्रदेश में ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति 2025 को स्वीकृति दी है। इसकी जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि ड्रोन आज आम जीवन में बहुत उपयोगी हो गया है। कानून व्यवस्था से लेकर खेती-किसानी में इसका उपयोग होगा। किसान ड्रोन की मदद से यूरिया का छिड़काव कर सकेंगे। इस नीति के तहत ड्रोन निर्माण, परिचालन, मार्केटिंग सपोर्ट, पेंटेंट, ड्रोन स्कूल, कौशल और इको सिस्टम बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस ड्रोन को एजुकेशन में भी शामिल करने पर है। प्रदेश के विकास में यह नीति मददगार होगी।

मप्र सेमी कंडक्टर नीति 2025 को मंजूरी कैबिनेट ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर नीति 2025 को मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि कई प्रदेशों की नीति का अध्ययन करने के बाद यह नीति बनाई गई है। इस नीति के तहत प्रदेश में आयोजित होने वाली जीआईएस में 2000 करोड़ तक का निवेश हो सकता है। विजयवर्गीय ने कहा कि इससे प्रदेश में निवेश का एक इको सिस्टम तैयार होगा।

वेटनरी कॉलेज के छात्रों को मिलेंगे 10 हजार रुपए कैबिनेट की बैठक में नानजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत कॉलेजों में इंटर्नशिप छात्रों का स्टॉयपंड संशोधित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत छात्रों को अब 10 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। पहले 7600 रुपये मिलते थे।

बुद्ध कथा में देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी, जिला पंचायत अध्यक्ष के ससुर समेत तीन पर केस

उमरिया। उमरिया पुलिस ने हिंदू देवी-देवताओं के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करने पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल के ससुर समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दरअसल, नगर परिषद मानपुर के वार्ड नंबर एक में बौद्ध धर्मियों का एक कार्यक्रम चल रहा है। इस कार्यक्रम में कथावाचक द्वारा लगातार हिंदू धर्म और देवी-देवताओं को लेकर आपत्तिजनक उदाहरण दिए जा रहे थे। शिकायत मिलने पर पुलिस ने कार्यक्रम के संयोजक दुर्गेश बौद्ध (कुशवाहा), आयोजक बालक दास पटेल और कथावाचक आरएल बौद्ध के खिलाफ धारा 196, 299, 353 तथा 3/5 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है। बताया गया है कि जिला पंचायत अध्यक्ष के ससुर बालक दास पटेल और अन्य लोगों द्वारा 31 जनवरी से नगर के वार्ड क्रमांक 1, सेमरा में ठाकुर बाबा तिराहा के पास बुद्ध कथा और धम्म देशना कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आज 5 फरवरी को इसका अंतिम दिन है। कथा के निमंत्रण पत्र और बैनर में संयोजक दुर्गेश बौद्ध सहित अन्य आयोजकों के नाम का उल्लेख है। जानकारी के अनुसार बुद्ध कथा का प्रवचन आरएल बौद्ध नामक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने हिंदू धर्म के खिलाफ बेहद खराब भाषा का प्रयोग करते हुए उदाहरण दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही बवाल मच गया। इसे लेकर नगर के हिंदू संगठनों ने एक ज्ञापन पुलिस को सौंपा गया। फरियादी प्रयाग तिवारी की सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। उधर, बालक दास पटेल का कहना है कि इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में कथावाचक द्वारा भगवान बुद्ध के उपदेशों पर चर्चा की जाती है, परंतु इस संबंध में दुष्प्रचार के लिए एक वीडियो क्लिप काट-छांट कर चलाई जा रही है, जो पूर्णत: गलत है। उन्होंने नागरिकों से कार्यक्रम में आकर सच्चाई जानने की अपील की है। वहीं लोगों का कहना है कि गौतम बुद्ध शांति और अहिंसा के प्रतीक हैं। उन्होंने एक क्षत्रिय राजकुमार होते हुए भी समाज को दुखों से मुक्ति दिलाने के लिए संन्यास धारण किया। एक झटके में महल और ऐश्वर्य का त्याग कर ज्ञान की खोज में निकल पड़े। जिस महापुरुष का जीवन संपूर्ण मानव जाति को समर्पित है, उनके नाम पर आयोजित कार्यक्रम में इस तरह की भाषा का प्रयोग करना सही नहीं है।

पश्चिम बंगाल : भीख मांगते नजर आए भाजपा नेता

बीरभूम. पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक समय वजनदारी रखने वाले इंद्रजीत सिन्हाबीरभूम जिले के तारापीठ श्मशान घाट में भीख मांगते नजर आए. 'बुलेट दा' के नाम से मशहूर नेता की बीमार अवस्था में तस्वीर वायरल होते ही हड़कंप मच गया.पार्टी के पुराने नेता की हालत देख राज्य के बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ सुकांत मजूमदार हरकत में आए. उन्होंने तुरंत बीरभूम के बीजेपी जिलाध्यक्ष से बीमार इंद्रजीत सिन्हा को अस्पताल में भर्ती करवाने को कहा. राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने भी सिन्हा की सुध ली. इसके बाद 'बुलेट दा' को कोलकाता के एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया. इंद्रजीत सिन्हा एक समय बंगाल भाजपा में स्वास्थ्य सेवा प्रकोष्ठ के संयोजक थे. उन्होंने मुसीबत और विपत्ति के समय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को राज्य के लगभग सभी सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराने का काम किया था. तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा की बात मानकर 'बुलेट दा' राजनीति में आए और स्वास्थ्य क्षेत्र में भाजपा की मौजूदगी बढ़ाने के लिए दिन-रात काम किया. अपने कार्यकाल के दौरान उनका नाम और शोहरत राजनीतिक गलियारों में तक फैल गई थी. राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र में कभी ताकतवर रहे नेता इंद्रजीत सिन्हा पिछले दो साल से लाइलाज कैंसर से पीड़ित हैं. पहले ट्यूमर का पता चला, फिर उन्हें पता चला कि वे कैंसर से पीड़ित हैं. इलाज के लिए उन्हें अस्पताल तक नहीं मिल पाया. यहां तक कि उनके रहने और खाने के लिए भी कोई उचित व्यवस्था नहीं है. हालत इतनी दयनीय है कि दो महीने तक उन्हें तारापीठ श्मशान घाट पर भोजन के लिए भीख मांगनी पड़ती है. भाजपा राज्य समिति के इस पूर्व आमंत्रित सदस्य को एक पेड़ के नीचे रात बितानी पड़ रही है. 40 साल के सिन्हा अविवाहित हैं और उनके माता पिता का पहले ही निधन हो चुका है.

'बुलेट दा' के नाम से मशहूर हैं इंद्रजीत सिन्हा इंद्रजीत सिन्हा करीब दस साल पहले कांग्रेस छोड़कर भगवा खेमे में शामिल हो गए थे. उन्होंने पार्टी के लिए जमकर काम किया था. भाजपा अब पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी पार्टी है. लेकिन अब बीमारी के कारण सिन्हा पार्टी का काम करने में असमर्थ हो गए और घर-परिवार में कोई न होने पर उन्होंने तारापीठ जाकर भीख मांगना शुरू कर दिया था.

वाशिंगटन पहुंचे नेतन्याहू, ट्रंप बोले- गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यहां मंगलवार को अमेरिकाके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप) से मुलाकात की। इसके बाद दोनों ने संयुक्त संवाददाता को संबोधित किया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में संवाददाताओं से कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सेना की मदद से गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा। फिलिस्तीनियों को अब वहां से चले जाना चाहिए। एक खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल गाजा पट्टी पर मिलकर काम करेंगे। दोनों देश गाजा पट्टी के भविष्य के लिए जिम्मेदार होंगे। सभी खतरनाक गैर-विस्फोटित बमों और अन्य हथियारों को नष्ट किया जाएगा। जमीन को समतल कर नई इमारतों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा गाजा पट्टी में अमेरिका अपनी सेना भेज सकता है। गाजा के लिए जो भी जरूरी होगा, वह किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह दीर्घकालिक स्वामित्व की स्थिति महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में बहुत लोगों से बातचीत की है। सबका विचार है कि गाजा में संयुक्त राज्य अमेरिका का राज होगा। वहां रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। नए गाजा के विकास में फिलिस्तीनी शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने कहा कि वह गाजा में शेष बंधकों को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस अवसर पर ट्रंप की तारीफ की। उन्होंने कहा कि लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इस प्रयास में बड़ी ताकत और शक्तिशाली नेतृत्व जोड़ा है। संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते पर हस्ताक्षर करने के अपने सभी प्रयासों के लिए ट्रंप को अभी भी तीन चरण की योजना के शेष दो चरणों की देखरेख करने की आवश्यकता होगी। नेतन्याहू के वाशिंगटन आने से पहले ट्रंप ने ईरान के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए एक निर्देश पर हस्ताक्षर किए हैं। नेतन्याहू रविवार देररात राष्ट्रपति ट्रंप के अतिथि निवास ब्लेयर हाउस पहुंचे। उनके अमेरिका में सप्ताह के अंत तक रुकने की उम्मीद है।

कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यों मारी पलटी,

नई दिल्ली. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े जोर-शोर से अपने दो बड़े पड़ोसियों कनाडा और मेक्सिको को दंडित करने के ख्याल से 25 फीसदी का भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की थी. ये प्रतिबंध 1 फरवरी से लागू भी हो गया था. लेकिन इस प्रतिबंध के बमुश्किल 24 घंटे ही गुजरे थे कि बड़ी-बड़ी डींग हांकने वाले ट्रंप को पीछे हटना पड़ा. ट्रंप ने अपने चुनावी वादों के अनुरुप कनाडा, मेक्सिको और यहां तक की चीन पर भी टैरिफ लगा दिया. व्हाइट हाउस से जारी एक बयान में कहा गया, 卐राष्ट्रपति ट्रम्प मैक्सिको, कनाडा और चीन को अवैध प्रवास रोकने तथा जहरीली फेंटेनाइल और अन्य दवाओं के हमारे देश में आने पर रोक लगाने के उनके वादों के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए साहसिक कदम उठा रहे हैं.

चीन पर तो अमेरिका का 10 परसेंट टैरिफ कायम है लेकिन कनाडा और मेक्सिको से कुछ सामान्य सी कूटनीतिक बातचीत के बाद ट्रंप ने इस फैसले पर रोक लगा दी.

मंगलवार को अमेरिकी सरकार ने घोषणा की कि कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना पर रोक लगा दी गई है और ये रोक 30 दिनों तक लागू होगी. इसके साथ ही टैरिफ वॉर की आशंका से सहमी दुनिया ने राहत की सांस ली. ट्रंप को भी अंदाजा हो गया कि सत्ता से बाहर रहकर चुनावी वादे करना अलग बात है और इस पर अमल करना एक अलग बात.

तो सवाल उठता है कि ट्रंप आखिर नरम क्यों हो गए? दरअसल मेक्सिको और कनाडा दोनों ही अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं. इन तीनों अर्थव्यवस्थाओं की परस्पर जुड़ी प्रकृति का मतलब यह है कि ट्रंप की ओर से कोई कार्रवाई अमेरिका के लिए भी नुकसानदेह हो सकती थी. अगर 2024 में अमेरिका के टॉप ट्रेडिंग पार्टनर की बात करें तो सबसे ऊपर है मेक्सिको, फिर नंबर आता है कनाडा का इसके बाद नंबर है चीन का. इन तीनों देशों के साथ अमेरिका अपने कुल कारोबार का 40 फीसदी से ज्यादा व्यापार करता है. रकम के हिसाब से ये आंकड़ा 2 ट्रिलियन डॉलर है. अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2024 से नवंबर 2024 तक मेक्सिको के साथ अमेरिका का कुल व्यापार 776 बिलियन डॉलर है. मेक्सिको को अमेरिका का एक्सपोर्ट 309 बिलियन डॉलर है, जबकि इस देश से यूएस का आयात 476 बिलियन डॉलर का है.

मेक्सिको-अमेरिका के बीच मुख्य आयात-निर्यात अमेरिका मेक्सिको से वाहन और ऑटोमोटिव पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल मशीनरी, ईंधन, सब्जियां, बिजली के उपकरण, मशीनरी, कृषि उत्पाद (जैसे एवोकाडो और टमाटर), मेटल, प्लास्टिक, केमिकल, कपड़े और फर्नीचर मंगाता है. अमेरिका द्वारा इन चीजों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने से ये चीजें अमेरिका में जबर्दस्त महंगी हो जातीं. इसका असर अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ता. अमेरिका से मेक्सिको को मुख्य निर्यात में मशीनरी, बिजली के उपकरण, वाहन और उनके पुर्जे, खनिज ईंधन, और कृषि उत्पाद (जैसे मक्का और सोयाबीन) शामिल हैं. ट्रंप की ओर से 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद मेक्सिको ने भी 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी. साथ ही साथ मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम ने कहा था कि समस्याएं टैरिफ लगाने से हल नहीं होती हैं बल्कि बात करने से चीजें सॉल्व होती हैं.

अगर मेक्सिको भी यूएस से होने वाले निर्यात पर टैक्स लगा देता तो इसका असर भी अमेरिकी इकोनॉमी पर पड़ता. क्योंकि टैरिफ लगने के बाद मेक्सिकन व्यापारियों के लिए अमेरिका से आयात महंगा हो जाता और आयात कम कर देते. फिलहाल ट्रंप ने ट्रैरिफ को टालकर इस समस्या से 30 दिनों के लिए निजात पा ली है.

कनाडा-अमेरिका के बीच मुख्य आयात-निर्यात जनवरी 2024 से नवंबर 2024 तक कनाडा और अमेरिका के बीच कुल व्यापार 700 बिलियन डॉलर का है, कनाडा अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है. इस अवधि के बीच कनाडा को अमेरिका का निर्यात 322 बिलियन डॉलर का था जबकि आयात 377 बिलियन डॉलर का था.

अगर कनाडा से अमेरिका के मुख्य आयात की बात करें तो इसमें पेट्रोलियम प्रोडक्ट, प्राकृतिक गैस, बिजली, यूरेनियम, कार, मशीनरी, धातु, सोना, अनाज बीज शामिल हैं. 2022 में अमेरिका ने कनाडा से 2.15 अरब डॉलर का सोना आयात किया था.

ट्रंप की ओर से 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद ये चीजें अमेरिकी आयातकों को काफी महंगी होने वाली थी. इस वजह से अमेरिकी बाजार में इनका मूल्य बढ़ जाता और अमेरिका में महंगाई बढ़ सकती थी. इन चीजों को ध्यान में रखकर भी ट्रंप ने नरमी बरती और फिलहाल टैरिफ लगाने का प्रस्ताव टाल दिया है.

यही नहीं अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी. इससे भी अमेरिका का व्यापार प्रभावित होता क्योंकि इस फैसले की वजह से कनाडाई आयातकों के लिए अमेरिकी प्रोडक्ट मंहगे हो जाते और वे अमेरिका से आयात बंद कर सकते थे. अथवा कम कर सकते थे. अब ट्रंप ने इस टैरिफ को मुतलवी कर दिया है. ट्रंप के फैसले पर राहत जताते हुए अमेरिकी कारोबारी संगठन ऑटो केयर एसोसिएशन के अध्यक्ष और सीईओ बिल हैनवी ने बीबीसी को कहा कि ऑटो इंडस्ट्री इस रोक से राहत महसूस कर रही है, लेकिन वह अस्थिर स्थितियों के प्रति सतर्क भी है. उन्होंने अमेरिका की ऑटो मैन्युफैक्चरिंग को 'वैश्विक उद्योग' के तौर पर परिभाषित करते हुए कहा कि अमेरिकी डिस्ट्रिब्यूटर्स कार के पार्ट्स बनाने के लिए दूसरे क्षेत्रों की ओर नहीं देख रहे हैं.

इस फैसले के बाद ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैं शुरुआती नतीजों से बहुत खुश हूं और शनिवार को जिन टैरिफ का एलान किया गया था, उनपर अब 30 दिन की रोक रहेगी. इस दौरान ये देखा जाएगा कि कनाडा के साथ एक आर्थिक सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है या नहीं.

कनाडा-मेक्सिको ने ट्रंप की चिंताओं को दूर करने का दिया भरोसा कनाडा-मेक्सिको के प्रति नरमी की एक वजह सिर्फ आर्थिक नुकसान का आकलन ही नहीं है. बल्कि ट्रंप के रुख को भांपते हुए ट्रंप की चिंताओं को दूर करते हुए अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने की बात भी कही.

ट्रंप की चिंता कनाडा की सीमा से हो रहे फेंटानिल ड्रग तस्करी को लेकर थी. जिससे अमेरिकी तेजी से नशे की जद में आ रहे थे. कनाडा ने अब कहा है कि वह सीमा से फेंटानिल ड्रग की तस्करी पर रोक लगाने के प्रयासों की निगरानी के लिए एक अधिकारी नियुक्त करेगा.

ट्रूडो ने एक्स पर कहा कि कनाडा अपनी सीमा योजना पर 1.3 अरब डॉलर खर्च करेगा. इन पैसों से नए चॉपर खरीदे जाएंगे और इसे तकनीकी और सीमा पर सैनिकों की तैनाती में खर्च किया जाएगा.

उन्होंने वादा किया कि फेंटानिल की बढ़ती तस्करी को भी रोका जाएगा. सीमा पर 24 घंटे सातों दिन नजर रखने के लिए कनाडा-यूएस ज्वाइंट स्ट्राइक फोर्स लॉन्च की जाएगी, जिसका काम संगठित अपराध, फेंटानिल की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से निपटना होगा.

ऐसा ही वादा ट्रंप के सामने मेक्सिको ने भी किया. मेक्सिको ने कहा कि ट्रंप के साथ हुए समझौते के तहत वह सीमा पर अपने 10 हज़ार सैनिकों को भेजने के लिए राजी हो गया है. ये सैनिक तय करेंगे कि इस बॉर्डर से अमेरिका में अवैध घुसपैठ न हो. दरअसल अमेरिका का ऑटो उद्योग, कृषि और विनिर्माण क्षेत्र, के अलावा दूसरे उद्योग भी कनाडा-मेक्सिको के साथ त्रिकोणीय संबंध पर बहुत अधिक निर्भर हैं. इस परस्पर निर्भरता को पहचानते हुए, ट्रम्प ने अमेरिकी आर्थिक हितों की रक्षा के लिए अपनी बयानबाजी और एक्शन को संयमित किया. अमेरिका द्वारा इन तीनों देशों पर किसी भी तरह की रोक उसके आधे बिजनेस पर ही असर डाल सकता था.हालांकि टैरिफ लगाने से पहले ट्रंप प्रशासन को इसका आकलन था, लेकिन ट्रंप अवैध घुसपैठ से इतने खफा थे कि वे इस दर्द को झेलने के लिए तैयार हैं, ताकि अमेरिका को फिर से ग्रेट बनाया जा सके.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 I31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569